आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

26 JANUARY REPUBLIC DAY OF INDIA

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 27 | अंक : 36 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 26 जनवरी, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

भारत ने धूमधाम से मनाया 76वां गणतंत्र दिवस

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फहराया तिरंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे भारत में 76वें गणतंत्र दिवस का जश्न बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य समारोह कर्तव्य पथ पर आयोजित हुआ, जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तिरंगा फहराकर राष्ट्र को संबोधित किया। समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रोबोवो सुबियांतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड की शुरुआत 300 कलाकारों द्वारा पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ सारे जहां से अच्छा... की धुन से हुई। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल अवनीश कुमार ने किया, जिन्होंने राष्ट्रपति को सलामी दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने समारोह में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने दर्शक दीर्घा में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात की। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी समारोह में उपस्थित रहे और गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्राबावो सुबियांतो के साथ कार्यक्रम का हिस्सा बने।

समारोह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर जाकर वीर बलिदानियों को नमन किया। उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद थे। इस अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी हैदराबाद स्थित वीरूला सैनिक स्मारक पर जाकर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस बार का गणतंत्र दिवस समारोह विशेष रूप से ऐतिहासिक रहा। समारोह में पूरे देश से करीब 10,000 विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। इनमें पैरालंपिक खिलाड़ी, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सरपंच, हथकरघा कारीगर और वन एवं वन्यजीव संरक्षण में योगदान देने वाले कार्यकर्ता शामिल थे।

76वें गणतंत्र दिवस का यह समारोह भारत की विविधता, संस्कृति और शौर्य का प्रतीक रहा। कर्तव्य पथ पर निकली परेड, सांस्कृतिक झांकियां और देशभक्ति के रंग में रंगे कार्यक्रमों ने हर भारतीय के दिल में गर्व और उत्साह का संचार किया।

कर्तव्य पथ पर निकली 31 झांकियां

परेड में 16 राज्यों और केंद्र सरकार के 15 मंत्रालयों की कुल 31 झांकियां निकाली गई। इस बार गणतंत्र दिवस की थीम गोल्डन इंडिया- हेरिटेज एंड डेवलेपमेंट रहा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशभक्ति के रंग में डूबा कश्मीर का प्रसिद्ध लाल चौक इलाका।

मुख्यमंत्री ने किया ध्वजारोहण

देश हमें न्याय, समता और बंधुता के साथ जुड़ने की प्रेरणा देता है : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने सरकारी आवास पर ध्वजारोहण किया और प्रदेशवासियों को इस ऐतिहासिक दिन की शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने संविधान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों की महत्ता को रेखांकित करते हुए भारत की विकास यात्रा को 'अमृत काल' से जोड़ने का आह्वान किया।

सीएम योगी ने कहा कि 26 जनवरी 1950 का दिन भारत के इतिहास में मील का पत्थर है, जब हमारा संविधान लागू हुआ और देश ने खुद को एक संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। उन्होंने कहा कि संविधान बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के अद्वितीय नेतृत्व और संविधान सभा के सदस्यों की मेहनत का परिणाम है। यह हमें न्याय, समता और बंधुता के साथ जुड़ने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इन महानायकों के बलिदान और नेतृत्व ने हमें एक स्वतंत्र और समावेशी भारत का सपना दिया।

सीएम योगी ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां सभी नागरिकों को जाति, धर्म, भाषा या लिंग के भेदभाव के बिना समान अधिकार प्राप्त हैं। उन्होंने कहा, जब अन्य लोकतांत्रिक देशों में महिलाओं और वंचित वर्गों को मतदान का अधिकार नहीं था, भारत ने यह अधिकार संविधान लागू होने के पहले दिन से ही सुनिश्चित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि संविधान के मार्गदर्शन में हमें अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा। उन्होंने कहा, आने वाले 25 वर्षों में, अगर हम अपने संविधान के आदर्शों का अनुसरण करें, तो भारत निश्चित रूप से विश्व के सबसे विकसित देशों में शामिल होगा।

मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं को 'आधुनिक रामराज्य' का स्वरूप बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों, किसानों और वंचित वर्गों के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं, जिनसे करोड़ों लोगों को लाभ मिला है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस का पर्व भारतीयता और एकता का उत्सव है। हमारा संविधान नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों का मार्गदर्शन करता है और सभी को एक सूत्र में बांधता है।

सीएम योगी ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि संविधान हमें एक ऐसा मार्ग दिखाता है, जो जाति, धर्म, भाषा और लिंग के भेदभाव को मिटाकर सभी को समान अवसर प्रदान करता है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों का पालन करें और एक समृद्ध, समावेशी और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

गणतंत्र दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम ने एक बार फिर भारत की लोकतांत्रिक ताकत और एकता को दुनिया के सामने रखा।

पुलिस और वाहन चोरों के बीच मुठभेड़, 15 मोटरसाइकिल बरामद

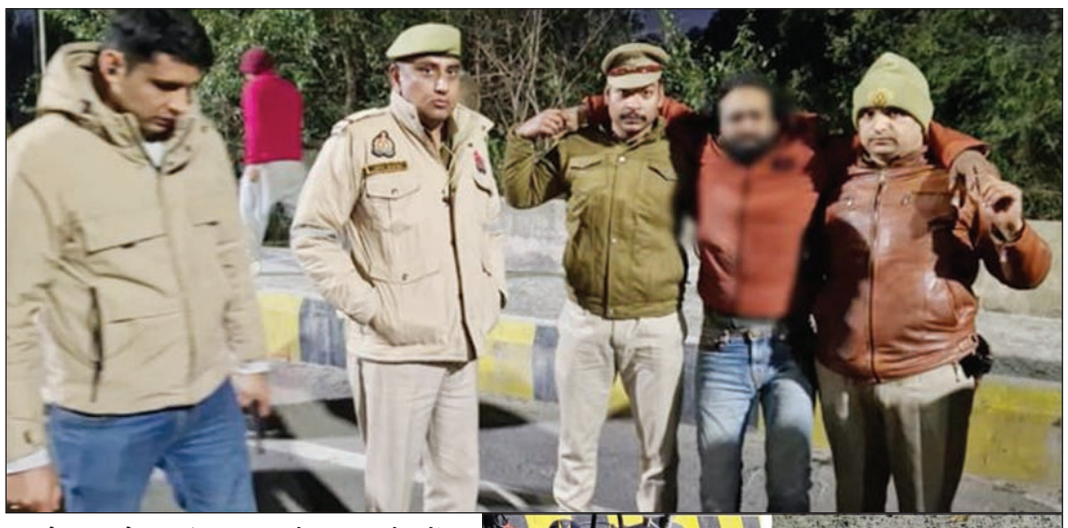

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में पुलिस और वाहन चोरों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बड़ा खुलासा हुआ है। चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को दबोच लिया।

चेकिंग के दौरान संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार बदमाशों को रुकने का इशारा किया गया। भागने की कोशिश करते हुए बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से एक बदमाश घायल हो गया, जिसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने क्षेत्र में कॉम्बिंग अभियान चलाया, जिसमें दूसरा बदमाश भी गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों बदमाशों के पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध हथियार बरामद किए गए।

गिरफ्तार बदमाशों की निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से कुल 14 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

नोएडा पुलिस की इस कार्रवाई को वाहन चोर गिरोह के खिलाफ बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ के आधार पर और भी खुलासे होने की उम्मीद है। नोएडा पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर जनता का भरोसा मजबूत हुआ है।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com

RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com

Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

लाउडस्पीकर का शोर

गा हे-बगाहे कोर्ट की सख्ती के बावजूद विभिन्न धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल बंद नहीं हुआ। दिनभर के थके-हरे लोग जब घर में आराम करते हैं तो लाउडस्पीकरों की तीव्र ध्वनि उनकी शांति में खलल डालती है। डॉक्टर भी कहते हैं कि नींद में किसी भी तरह का व्यवधान व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। फिर जो लोग पहले से बीमार होते हैं,उनके लिये तो तेज शोर असहनीय होता है। लेकिन वर्तमान ध्रुवीकृत समाज में लाउडस्पीकरों का बेलगाम शोर प्रतिष्ठा का मुद्दा बन जाता है। लोग परेशान होने पर भी शिकायत नहीं करते। उन्हें डर होता है कि धार्मिक समूह उन्हें निशाना बना सकते हैं। विडंबना यह है कि नियामक एजेंसियां भी स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं करती। इस बाबत दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार शोर-शराबे पर काबू करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुर्माना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वत: नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है। अत: कोई व्यक्ति इसके इस्तेमाल को अपना अधिकार नहीं बता सकता। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों से होने वाले शोर पर नियंत्रण के लिये ठोस प्रयास करे। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा जनसमूह को संबोधित करने वाले सिस्टम की शोर सीमा को नियंत्रित करे। नियामक एजेंसियां निगरानी व शोर नापने के लिये ऐप प्रयोग करे। नियमानुसार दिन में ध्वनि का स्तर 55 तथा रात में 45 डेसिबल से अधिक नहीं हो। दरअसल, मुंबई में कुर्ला क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल से निर्धारित मानकों से अधिक स्तर का ध्वनि प्रदूषण रोकने में पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ यह याचिका दायर की गई थी। वास्तव में लोग तभी शिकायत करते हैं जब ध्वनि का स्तर सहने की सीमा पार कर जाता है। अदालत ने शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रख कर कार्रवाई करने को कहा ताकि उसे सांप्रदायिक आधार पर निशाना न बनाया जा सके। यदि जुर्माना लगाने के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो पुलिस धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर को जब्त करे। फिर उसके लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई करे। साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रक नियमों तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो। कोर्ट माना कि कठोर कानून के अभाव में लाउडस्पीकरों के उपयोगकर्ता नियम-कानून को नजरअंदाज करने लगते हैं। नियामक एजेंसियों की निष्क्रियता पर चिंता जताते हुए अदालत का कहना था कि लोग ध्वनि प्रदूषण को लेकर संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति व धार्मिक आजादी का तर्क देते हैं, लेकिन इस पर रोक लगाना किसी भी स्थिति मे मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण नहीं है। अत: ध्वनि की कर्कशता पर अंकुश लगाकर लोगों को राहत दी जानी चाहिए। दरअसल, पुलिस ऐसे मामलों में इसलिए भी उदासीन रहती है कि कहीं उन पर धार्मिक भावनाएं आहत होने का आक्षेप न लगा दिया जाए। कमोबेश यह स्थिति पूरे देश में और विगत में आए अदालत के फैसले की भी अनदेखी की जाती रही है। कई बार तो प्रशासन की अनुमति के बिना सार्वजनिक कार्यक्रमों का लाउडस्पीकरों से संबोधन बदस्तूर जारी रहता है। लोग इसलिये भी शिकायत नहीं करते हैं ताकि कोई टकराव न हो। धर्म विशेष के लोग उनके घरों के आसपास ही रहते हैं। ऐसे में उन्हें हिंसा की आशंका रहती है। निस्संदेह, नियंत्रण के लिए ढाई दशक पहले बनाये गए ध्वनि प्रदूषण विनियमन व नियंत्रण नियमों को बदलते वक्त के साथ प्रभावी बनाने की जरूरत है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यदि वे राजपुत्र हैं तो ब्रह्म कैसे ? (और यदि ब्रह्म हैं तो) स्त्री के विरह में उनकी मति बावली कैसे हो गई ? इधर उनके ऐसे चरित्र देखकर और उधर उनकी महिमा सुनकर मेरी बुद्धि अत्यन्त चकरा रही है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जौं अनीह ब्यापक बिभु कोऊ। कहहु बुझाइ नाथ मोहि सोऊ॥
अग्य जानि रिस उर जनि धरहू। जेहि बिधि मोह मिटै सोइ करहू॥

यदि इच्छारहित, व्यापक, समर्थ ब्रह्म कोई और हैं, तो हे नाथ! मुझे उसे समझाकर कहिए। मुझे नादान समझकर मन में क्रोध न लाइए। जिस तरह मेरा मोह दूर हो, वही कीजिए॥

मैं बन दीखि राम प्रभुताई। अति भय बिकल न तुम्हहि सुनाई॥
तदपि मलिन मन बोधु न आवा। सो फलु भली भाँति हम पावा॥

मैंने (पिछले जन्म में) वन में श्री रामचन्द्रजी की प्रभुता देखी थी, परन्तु अत्यन्त भयभीत होने के कारण मैंने वह बात आपको सुनाई नहीं। तो भी मेरे मलिन मन को बोध न हुआ। उसका फल भी मैंने अच्छी तरह पा लिया॥

अजहूँ कछु संसउ मन मोरें। करहु कृपा बिनवउँ कर जोरें॥
प्रभु तब मोहि बहु भाँति प्रबोधा। नाथ सो समुझि करहु जनि क्रोधा॥

अब भी मेरे मन में कुछ संदेह है। आप कृपा कीजिए, मैं हाथ जोड़कर विनती करती हूँ। हे प्रभो! आपने उस समय मुझे बहुत तरह से समझाया था (फिर भी मेरा संदेह नहीं गया), हे नाथ! यह सोचकर मुझ पर क्रोध न कीजिए॥

(क्रमश:...)

गणतंत्र दिवस: स्वर्णिम भारत का पर्याय है सांस्कृतिक विरासत

भा रत में वर्ष 2025 में 76 वाँ गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। संविधान लागू हुए 75 वर्ष पूरे हो गए। गणतंत्र दिवस 2025 की थीम/प्रसंग है- स्वर्णिम भारत-विरासत और विकास। गणतंत्र दिवस 2025 के मुख्य अतिथि के तौर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो को चुना गया। भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा संविधान सभा में पेश किया गया था। इसे 22 जनवरी 1947 को स्वीकार किया गया था। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाया गया। आजादी के बाद देश को चलाने के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में हमारे देश का संविधान लिखा गया। जिसे लिखने में पूरे 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगे। 26 जनवरी 1950 में भारतीय संविधान को लागू किये जाने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1955 ई. को दिल्ली के राजपथ पर हुई थी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और हर साल 21 तोपों की सलामी दी जाती है। गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बना है। गण और तंत्र।

गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1955 ई. को दिल्ली के राजपथ पर हुई थी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और हर साल 21 तोपों की सलामी दी जाती है। गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बना है। गण और तंत्र। वैदिक काल में गण का शाब्दिक अर्थ था दल/समूह/लोक। तंत्र का शाब्दिक अर्थ होता है डोरा/सूत (रस्सी)। अर्थात ऐसी रस्सी/डोरा, जो लोगों के समूह को जोड़े। लोकतंत्र कहलाता है और यही गणतंत्र है। अतएव हम कह सकते हैं कि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान को लागू किये जाने का द्योतक है। संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द बाद में भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी द्वारा भारतीय आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे। भारत में आपातकाल (25 जून 1975 - 21 मार्च 1977) के दौरान, इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान के बयालीसवें संशोधन में कई बदलाव किए थे। इसी संशोधन के ज़रिए समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को संप्रभु और लोकतांत्रिक शब्दों के बीच जोड़ा गया और राष्ट्र की एकता शब्दों को राष्ट्र की एकता और अखंडता में बदल दिया गया। भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश है। अतएव भारत में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक दृष्टि से स्वावलम्बन, स्वाभिमानता और समानता परिलक्षित होती है।

स्वावलम्बिता, स्वाभिमानिता और समानता के मूल में स्वाधीनता वास करती है। अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, विचारों की स्वतन्त्रता, विश्वास की स्वतन्त्रता, आस्था और पूजा की स्वतन्त्रता स्वतंत्र भारत की पहचान है। अतएव हम कह सकते हैं कि अक्षुण्ण विरासत और विकास की सेतु पर खड़ा सविधान ही भारतीय गणतंत्र व्यवस्था की पहचान है। आत्मविश्वास का होना ही आपको आत्मनिर्भर बनाता है। भगवद गीता में लिखा है नायं आत्मा बलहीनेन लभ्य: अर्थात यह आत्मा बलहीनो को नहीं प्राप्त होती है। आत्मबल ही आत्मविश्वास की जननी है। आत्मबल और आत्मनिर्भर शब्द एक दूसरे के पूरक हैं। आत्मनिर्भरता, स्वावलम्बी होने को दर्शाता है। स्वावलम्बन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलम्बी अवश्य होना चाहिए। रामराज्य की परिकल्पना मोहनदास करमचंद गांधी की दी हुई थी। गांधीजी ने भारत में अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के पश्चात ग्राम स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। आत्मनिर्भर भारत की नींव गांधी के रामराज्य पर टिकी थी। गाँधी जी का स्वराज्य, रामराज्य की परिकल्पना का आधार था। स्वराज का अर्थ है जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन-आवश्यकताओं तथा जन-आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यही स्वराज्य रामराज्य कहलाया। स्वराज का तात्पर्य स्वतंत्रता से है। बिना आत्मनिर्भर हुए स्वतंत्र नहीं हुआ जा सकता है। आत्मनिर्भरता या स्वावलम्बिता स्वतंत्र होने की एक कड़ी है। जब हम स्वतंत्र होंगे तभी हम स्वाभिमानी होंगे अर्थात स्वाभिमानिता के लिए स्वाधीनता जरुरी है। हिन्दुस्तान को गांधी का रामराज्य चाहिए। राम राज्य भगवान राम के पुरुषार्थ और शासन का द्योतक है। भगवान राम सहिष्णुता के प्रतीक थे। राम सत्य के प्रतीक थे। तभी तो भगवान् राम ने रामराज्य स्थापित किया था। आज आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात हो रही है और वहीँ दूसरी ओर विदेशी कम्पनियाँ और विदेशी सामान की हिन्दुस्तान में बाढ़ आ गई है। प्रत्येक संस्था का निजीकरण होता जा रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ा है।

यदि स्वावलम्बन, समानता और स्वाभिमान की बात करनी हो तो गांधी के रामराज्य की कल्पना करनी होगी। अतएव हम कह सकते हैं कि स्वतन्त्रता, गांधी के रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित होनी चाहिए। सभी राजनैतिक पार्टियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों को आत्मसात करने की जरुरत है। वास्तव में भारत तभी स्वावलम्बी और स्वाभिमानी बन पाएगा। भारत को रामराज्य की परिकल्पना अपने पूर्वजों या पुरखों से विरासत में मिली हैं। रामराज्य की परिकल्पना रूपी विरासत को संजोकर रखने की जरुरत है। अयोध्या का राम मंदिर अपनी सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय उदाहरण है। भगवान् राम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम मंदिर को पुनर्जीवित करना ही अपनी विरासत को सम्हालने का एक अच्छा उदहारण है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस पुण्य कार्य का श्रेय जाता है। किसी भी देश की विरासत उस देश के विकास की आधारशिला होती है। पुरखों से प्राप्त वस्तु, सम्पत्ति आदि को विरासत कहा जाता है। पूर्वजों द्वारा प्राप्त की गई वस्तु या संपत्ति आदि को ही विरासत कहा जाता है। विश्व में भारत अपने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक दृष्टिकोण से स्वर्णिम स्थान रखता है। भारत विविध धर्मों, जातियों, भाषाओं,और संस्कृतियों का देश रहा है। भारत में मुख्यत: निम्नलिखित विरासतें हैं:-1.सांस्कृतिक विरासत 2.प्राकृतिक विरासत 3. मिश्रित विरासत।

सांस्कृतिक विरासत दो प्रकार की होती है- मूर्त संस्कृति और अमूर्त संस्कृति। सांस्कृतिक विरासत में मूर्त संस्कृति जैसे इमारतें, स्मारक, परिदृश्य, अभिलेखीय सामग्री, किताबें, कला के कार्य और कलाकृतियाँ आदि आते हैं। अमूर्त संस्कृति जैसे लोकगीत, परंपराएँ, भाषा और ज्ञान) और प्राकृतिक विरासत (सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण परिदृश्य और जैव विविधता सहित) शामिल हैं। मिश्रित विरासत स्थलों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार के महत्त्वपूर्ण तत्त्व शामिल होते हैं। भारत में 43 यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित स्थान शामिल हैं। भारत में यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) द्वारा अनुरक्षित मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में 15 अमूर्त सांस्कृतिक विरासत घटक शामिल हैं। इन धरोहर स्थलों से विदित होता है कि भारत ने विरासत में अपने पूर्वजों से और प्रकृति से स्वर्णिम धरोहर प्राप्त किये। भारत में रामायण (बाल्मीकि), महाभारत व भगवद गीता (वेद व्यास), मनु स्मृति (ऋषि मनु),अभिज्ञान शाकुंतलम (कालिदास), रामचरित मानस (तुलसीदास),आदि असंख्य ग्रंथों की रचना ऋषि मुनियों ने की। वेद, पुराण, उपनिषद और दर्शन आदि ये सभी भारतीय विरासत के अभिन्न अंग हैं। वेदों से ही चौथा वेद अथर्वेद आया। आज विश्व में आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में स्वर्णिम भारत की छवि को विश्व पटल पर रख चूका है। महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योग दर्शन से ही आज विश्व प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की ही देन है जिसकी वजह से 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया।

भारत ऋषि मुनियों और देवताओं की भूमि रही है जहां राजा हरिश्चंद्र (सतयुग), भगवान् राम (त्रेता युग), भगवान् कृष्ण (द्वापर युग) आए। श्रीमद्भागवत पुराण में भगवान के 22 अवतारों का वर्णन है, वहीं कुछ धर्मशास्त्रों में 24 अवतार भी बतलाए गए हैं, जिनमें से दशावतार (दस अवतार) प्रमुख हैं, गरुड़ पुराण में दशावतार का वर्णन है। वे हैं- मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध और कल्कि अवतार। भगवान् के ये सारे अवतार भारत भूमि को स्वर्णिम बनाते है। इन ऋषि मुनियों और देवताओं से विरासत के रूप में प्राप्त संस्कार भारत की संस्कृति को विश्व में स्वर्णिम या अद्वितीय बनाते हैं। यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) द्वारा वर्ष 2017 में कुम्भ मेला को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की श्रेणी में शामिल कर लिया गया था। जो भारत के लिए अपूर्व गर्व का दिन था। वर्ष 2025 में प्रयागराज जिले में 144 वर्षों बाद लगा महाकुम्भ- 2025 (धार्मिक समागम), सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय स्रोत है। इस बार महाकुंभ मेला 13 जनवरी से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिला में आयोजित किया गया, जो 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन समाप्त होगा। प्रयाग में तीन नदियों का संगम है- गंगा, यमुना और सरस्वती। महाकुम्भ के मुख्य स्नान पर्व पर किया गया स्नानअत्यंत पुण्य फल की प्राप्ति देता है। कहते हैं इस समय किया गया स्नान मोक्ष दायनी होता है। महाकुम्भ के समय हिन्दू देवी देवता सभी किसी न किसी रूप में मिल जाते हैं। इस समय बड़े बड़े चमत्कारी साधू संत अपना प्रवास करते हैं। इनका आशीर्वाद मतलब देवताओं का आशीर्वाद होता है। महाकुंभ मेला हर 12 वर्षों में चार पवित्र स्थलोंङ्क प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, और नासिक में आयोजित होता है। यह मेला न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक उत्सव भी है, जहां लाखों श्रद्धालु, साधु-संत, और पर्यटक एकत्रित होते हैं। महाकुंभ की जड़ें हिंदू धर्म के पौराणिक ग्रंथों में समुद्र मंथन से जुड़ी हैं। ऐसा माना जाता है कि अमृत कलश से अमृत की बूंदें इन चार स्थानों पर गिरीं, जिससे ये स्थान पवित्र हो गए।

किसी भी राष्ट्र के विकास में संस्कृति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किसी भी देश का विकास सांस्कृतिक विरासत के बिना संभव नहीं है। भारत की विरासत अक्षुण्ण है। इसको क्षीण नहीं किया जा सकता। भारत की विरासत ही उसके विकास की जननी है। अतएव हम कह सकते हैं कि अक्षुण्ण विरासत, स्वर्णिम भारत का प्रतिबिम्ब है।

- डॉ. शंकर सुवन सिंह
शिक्षाविद एवं वरिष्ठ स्तम्भकार

गणतंत्र दिवस

यह इनका गणतंत्र-दिवस है
तुम दूर से उन्हें देख कहोगे
गिनती सीखने की उम्रवाले बच्चे चार-पाँच
पकड़े हुए एक-एक हाथ में एक-एक नहीं, कई-कई
नन्हें काग़ज़ी राष्ट्रीय झंडे तिरंगे
लेकिन थोड़ा क़रीब होते ही
तुम्हारा भरम मिट जाता है
पचीस जनवरी की सर्द शाम शुरू-रात
जब एक शीतलहर ठेल रही है सड़कों से लोगों को असमय ही
घरों की ओर वे बेच रहे हैं ये झंडे
घरमुँही दीठ के आगे लहराते
झंडे, स्कूल जानेवाले उनके समवयसी बच्चे जिन्हें पकड़ेंगे
गणतंत्र-दिवस की सुबह
स्कूली समारोह में
पूरी धज में जाते हुए उनके क़रीब
उनके खेद-खाए उल्लास के क़रीब
और छुटकों में जो बड़का है
बतलाता है तुतले शब्दों, भेद-भरे स्वर में
साठ रुपए सैकड़ा ले
बेचते एक-एक रुपय में
—हिसाब के पक्के!
गिनती सीखने की उम्र वाले बच्चे
गणतंत्र-दिवस-समारोह के शामियाने के बाहर खड़े
जड़ाती रात की उछीड़ सड़क पर
झंडों का झुँड उठाए, दीठ के आगे लहराते
झंडा उँचा रहे हमारा!

राशिफल

माघ कृष्ण पक्ष एकादशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
कोई रिस्क न लें। वाहन धीरे चलाएं। कार्यों में विघ्न-बाधा रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आनंददायक जीवन गुजारेंगे। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
शत्रु उपद्रव संभव है। लेकिन शत्रु शमन भी संभव है। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम-संतान की स्थिति सुधर गई।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भावुकता में आकर कोई निर्णय न लें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृह कलह के संकेत हैं लेकिन भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि भी दिख रही है। स्वास्थ्य की स्थिति पहले से बेहतर।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सोची हुई चीज या प्लान की हुई चीज को लागू करें। व्यापारिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धन आगमन होगा। निवेश से बचें। कुटुंबों में वृद्धि होगी लेकिन जुबान से बचें। बाकी स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी। समाज में सराहना होगी। आपका कद बढ़ेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। सिरदर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम-संतान अभी भी मध्यम है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम-संतान अच्छा व व्यापार अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर, प्रेम-संतान अच्छा व व्यापार अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्यवर्धक दिनों का निर्माण होगा। कुछ काम आपके भाग्यवश भी बनेंगे। प्रेम-संतान सफलता की ओर जाएंगे।

कचरे के साइंटिफिक निवारण के लिए लगेगा 40 टन का टीपीडी प्लांट

कंपनियां 11 फरवरी तक कर सकती है आवेदन

नोएडा (चेतना मंच)। शहर में कूड़ा निस्तारण के लिए सेक्टर-119 और 50 में दो प्लांट लगाए जाएंगे। ये 40 टन क्षमता के होंगे। 40 टन में 15 मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी और 25 बायो मैथेनाइजेशन का निस्तारण होगा। इसके अलावा गीले कूड़े के निस्तारण के लिए वेस्ट टू एनर्जी प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। इसके लिए जगह देखी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि अभी सेक्टर-145 में पूरे शहर का कूड़ा डाला जा रहा है। वहां दो लाख मीट्रिक टन कूड़ा इकट्ठा हो रखा है। उसका निस्तारण करना शुरू कर दिया गया है।

नया प्लांट 40 टन क्षमता का होगा। इसे 5 हजार वर्गमीटर एरिया में लगाया जाएगा। कंपनी डोर टू डोर गारबेज कलेक्शन करने का काम भी करेगी। इसके लिए उनको सेक्टर के बारे अवगत कराया जाएगा। कंपनी 15 साल के तक कूड़े का साइंटिफिक निस्तारण करेगी। इसके बाद यदि कार्य बेहतर लगा तो 3 साल के लिए इसे आगे बढ़ाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट पर करीब 10 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा दूसरे टीपीडी प्लांट के लिए जल्द कवायद शुरू की जाएगी।

प्राधिकरण ने बताया कि प्लांट लगाने के लिए कंपनी से आवेदन मांगे गए है। कंपनियां 11 फरवरी तक आवेदन कर सकती है। 12 फरवरी को बिड खोली जाएगी। जिसमें लो कास्ट कंपनी क चयन किया जाएगा। अगले कुछ महीने में इनके बनने की शुरुआत हो जाएगी। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-43, 54, 145 और 168 में चार और प्लांट लगाए जाएंगे। इनकी क्षमता कम होगी।

प्राधिकरण ने निर्माणाधीन गोल्फ कोर्स जारी की लागत की दूसरी किश्त

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-151ए में इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स का निर्माण किया जा रहा है। इसमें करीब 2.3 हेक्टेयर जमीन प्राधिकरण को नहीं मिली है। ये जमीन मिल जाएगी। इसके प्रयास शासन स्तर से किए जा रहे है। ऐसे में बाकी बचे क्षेत्र में निर्माण कार्य पूरा करने के लिए कंपनी को कहा गया है। बतौर इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने कंपनी को दो किस्त जारी की है। पहली किस्त 25 लाख रुपए और दूसरी किस्त 47 लाख रुपए कंपनी को रीलीज किए है। यहा सिविल का करीब 64 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने बताया कि गोल्फ कोर्स का काम समय से पूरा किया जाएगा। इसके लिए कंपनी को फंड रीलीज किया गया है। इसके अलावा जल्द ही लोगों के लिए दोबारा से सदस्यता को खोला जाएगा। गोल्फ कोर्स की सदस्यता के लिए 10 लाख रुपए की है। इसे तीन किस्तों में जमा किया जा सकता है। बता दें कि परियोजना जुलाई 2021 में शुरू की गई। इसका 64 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। जून 2025 में इसका निर्माण पूरा किया जाना है। जमीन नहीं मिलने की वजह से योजना में करीब 11 करोड़ रुपए का वेरिएशन किया गया। अब इसकी लागत 140 करोड़ हो चुकी है। इसमें 107 करोड़ से सिविल वर्क किया जाएगा। 20 करोड़ से इलेक्ट्रिकल वर्क और 12 करोड़ की लागत से उद्यानिकी काम होगा। योजना का कुल एरिया करीब 113.87 एकड़ है।

5 महीने में काम होगा पूरा

प्राधिकरण ने बताया कि गोल्फ कोर्स के निर्माण एक थोड़ा सा पैच करीब 2.3 हेक्टेयर का फंसा हुआ है। इसके लिए जिला प्रशासन की टीम लगी हुई है। ये जमीन भी जल्द मिल जाएगी। इस पैच पर भी काम शुरू कर दिया जाएगा। बता दे गोल्फ कोर्स में सिविल का काम लगभग पूरा किया जा चुका है।

- 113 एकड़ में बन रहा गोल्फ कोर्स
- 94.369 एकड़ में गोल्फ एरिया
- 6.895 एकड़ में क्लब और पार्किंग एरिया
- 7.910 एकड़ में ड्राइविंग रेंज एरिया
- 4.702 एकड़ में एनटी लाइन एरिया
- 9.289 एकड़ में हेलीपोर्ट
- 4.614 एकड़ में हेलीपोर्ट एप्रोच रोड एरिया बनाया जा रहा है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

वन्दे मातरम्।
सुजलाम्, सुफलाम्
मलयज-शीतलाम
शस्यश्यामलाम् मातरम
वन्दे मातरम
शुभ्र ज्योत्स्ना
पुलकितयामिनीम
फुल्लकुसुमित
द्रुमदल शोभिनीम
सुहासिनीम्
सुमधुरभाषिणीम
सुखदाम, वरदाम, मातरम।
वन्दे मातरम
वन्दे मातरम्

26 जनवरी 1950 भारतीय इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण दिन के रूप में मान्य है। इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ और भारत के इस बल के फलस्वरूप भारत वास्तव में एक संप्रभु राज्य बना। इस दिन भारत पूरी तरह से एक रिपब्लिकन इकाई बन गया । 26 जनवरी का यह दिन अपने आप में एक इतिहास बयां करता है जो हमे अंतत महात्मा गांधी और कई स्वतंत्रता सेनानियों सुभास चन्द्र बोस के बलिदान और अपने देश की आजादी के लिए अपने जीवन का बलिदान करने वाले शहीद चन्द्र शेखर आजाद, भगत सिंह और अनगिनत सैनानियों के गौरवगाथा को प्रदर्शित करता हैं, जिसे दर्शाने का प्रयत्न करना और शब्दों में उस गाथा को पिरोना एक गौरवशाली व आत्मा को विभूषित करने वाले अलंकार को प्रदर्शित करना हैं। अनगिनत सेनानियों और शहीदों की बलिवेदी लेकर स्वतंत्र हुआ भारत देश 26 जनवरी को उन सभी शहीदों को याद कर उन्हें हृदय पुष्पांजलि अर्पित करना हैं। उनकी आँखों में चमके उस दिवा स्वप्न को आज हम सब 26 जनवरी के साकार रूप में देख रहे हैं ।

भारत का राष्ट्रीय पर्व
गणतंत्र दिवस

गणतन्त्र दिवस भारत का एक राष्ट्रीय पर्व जो प्रति वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है। इसी दिन सन 1950 को भारत का संविधान लागू किया गया था।
सन 1929 के दिसंबर में लाहौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में हुआ जिसमें प्रस्ताव पारित कर इस बात की घोषणा की गई कि यदि अंग्रेज सरकार 26 जनवरी, 1930 तक भारत को उपनिवेश का पद (डोमीनियन स्टेटस) नहीं प्रदान करेगी तो भारत अपने को पूर्ण स्वतंत्र घोषित कर देगा। 26 जनवरी, 1930 तक जब अंग्रेज सरकार ने कुछ नहीं किया तब कांग्रेस ने उस दिन भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के निश्चय की घोषणा की और अपना सक्रिय आंदोलन आरंभ किया। उस दिन से 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त होने तक 26 जनवरी गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता रहा। तदनंतर स्वतंत्रता प्राप्ति के वास्तविक दिन 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में स्वीकार किया गया। 26 जनवरी का महत्व बनाए रखने के लिए विधान निर्मात्री सभा (कांस्टीट्यूएंट असेंबली) द्वारा स्वीकृत संविधान में भारत के गणतंत्र स्वरूप को मान्यता प्रदान की गई। गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी को भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारतीय राष्ट्र ध्वज को फहराया जाता हैं और इसके बाद सामूहिक रूप में खड़े होकर राष्ट्रगान गाया जाता है ।
गणतंत्र दिवस के दिन भारतीय जन समूह एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाये प्रदान करते हैं जो की आजकल के आधुनिक युग में मोबाइल और कम्प्यूटर के द्वारा एक दूसरे को भेजा जाता हैं। जिसमें अभी इ-कार्डस , चलचित्र कार्ड का प्रयोग बहुतायत से हो रहा हैं!

वंदे मातरम

ब्रिटिश शासन के दौरान देशवासियों के दिलों में गुलामी के खिलाफ आग भड़काने वाले सिर्फ दो शब्द थे- वंदे मातरम। आइए बताते हैं इस क्रांतिकारी, राष्ट्रभक्ति के अजर-अमर गीत के जन्म की कहानी - बंगाल के महान साहित्यकार श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के ख्यात उपन्यास आनंदमठ में वंदे मातरम् का समावेश किया गया था। लेकिन इस गीत का जन्म आनंदमठ उपन्यास लिखने के पहले ही हो चुका था। अपने देश को मातृभूमि मानने की भावना को प्रज्वलित करने वाले कई गीतों में यह गीत सबसे पहला है।
वंदे मातरम के दो शब्दों ने देशवासियों में देशभक्ति के प्राण फूँक दिए थे और आज भी इसी भावना से वंदे मातरम गाया जाता है। हम यों भी कह सकते हैं कि देश के लिए सर्वोच्च त्याग करने की प्रेरणा देशभक्तों को इस गीत से ही मिली। पीढ़ियाँ बीत गई पर वंदे मातरम का प्रभाव अब भी अक्षुण्ण है। आनंदमठ उपन्यास के माध्यम से यह गीत प्रचलित हुआ। उन दिनों बंगाल में 'बंग-भंग' का आंदोलन उफान पर था। दूसरी ओर महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन ने लोकभावना को जाग्रत कर दिया था।
बंग भंग आंदोलन और असहयोग आंदोलन दोनों में वंदे मातरम ने प्रभावी भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए यह गीत पवित्र मंत्र बन गया था। बंकिम बाबू ने आनंदमठ उपन्यास सन् 1880 में लिखा। कलकत्ता की बंग दर्शन मासिक पत्रिका में उसे क्रमशः प्रकाशित किया गया। अनुमान है कि आनंदमंठ लिखने के करीब पाँच वर्ष पहले बंकिम बाबू ने वंदे मातरम को लिख दिया था। गीत लिखने के बाद यह यों ही पड़ा रहा। पर आनंदमठ उपन्यास प्रकाशित होने के बाद लोगों को उसका पता चला।
इस संबंध में एक दिलचस्प किस्सा है। बंकिम बाबू बंग दर्शन के संपादक थे। एक बार पत्रिका का साहित्य कमपोज हो रहा था। तब

कुछ साहित्य कम पड़ गया, इसलिए बंकिम बाबू के सहायक संपादक श्री रामचंद्र बंदोपाध्याय बंकिम बाबू के घर पर गए और उनकी निगाह वंदे मातरम लिखे हुए कागज पर गई। कागज उठाकर श्री बंदोपाध्याय ने कहा, फिलहाल तो मैं इससे ही काम चला लेता हूँ। पर बंकिम बाबू तब गीत प्रकाशित करने को तैयार नहीं थे। यह बात सन् 1872 से 1876 के बीच की होगी। बंकिम बाबू ने बंदोपाध्याय से कहा कि आज इस गीत का मतलब लोग समझ नहीं सकेंगे। पर एक दिन ऐसा आएगा कि यह गीत सुनकर सम्पूर्ण देश निद्रा से जाग उठेगा। इस संबंध में एक किस्सा और भी प्रचलित है। बंकिम बाबू दोपहर को सो रहे थे। तब बंदोपाध्याय उनके घर गए। बंकिम बाबू ने उन्हें वंदे मातरम पढ़ने को दिया। गीत पढ़कर बंदोपाध्याय ने कहा, गीत तो अच्छा है, पर अधिक संस्कृतनिष्ठ होने के कारण लोगों की जुबान पर आसानी से चढ़ नहीं सकेगा। सुनकर बंकिम बाबू हँस दिए। वे बोले, यह गीत सदियों तक गाया जाता रहेगा। सन् 1876 के बाद बंकिम बाबू ने बंग दर्शन की संपादकी छोड़ दी। सन् 1875 में बंकिम बाबू ने एक उपन्यास कमलाकांतेर दपतर प्रकाशित किया। इस उपन्यास में आभार दुर्गोत्सव नामक एक कविता है। आनंदमठ में संत-गणों को संकल्प करते हुए बताया गया है। उसकी ही आवृत्ति कमलाकांतेर दपतर के कमलकांत की भूमिका निभाने वाले चरित्र के व्यवहार में दिखाई देती है। धीर-गंभीर देशप्रेम और मातृभूमि की माता के रूप में कल्पना करते हुए बंकिम बाबू गंभीर हो गए और अचानक उनके मुँह से वंदे मातरम शब्द निकले। यही इस अमर गीत की कथा है। सन् 1896 में कलकत्ता में कॉंग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। उस अधिवेशन की शुरुआत इसी गीत से हुई और गायक कौन थे पता है आपको गायक और कोई नहीं, महान साहित्यकार स्वयं गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर थे। कितना भाग्यशाली गीत है यह, जिसे सबसे पहले गुरुदेव टैगोर ने गाया।

युवाओं को संयम की डोर थामने की आवश्यकता

बीते वर्षों में भारतीय जनतंत्र ने अपनी सशक्त भूमिका दर्ज की है। इसका पूरा श्रेय भारत के उन युवाओं को जाता है। जिसकी सोच में देश की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर क्रांतिकारी बदलाव आया है। इन साठ वर्षों में भारतीय युवाओं के खास अंदाज ने विश्व के दिग्गजों का ध्यान आकर्षित किया है।

पिछले 10-15 सालों में भारत के युवाओं में सकारात्मक परिवर्तन की सुखद बयार आई है। उनमें निर्णय लेने की क्षमता का विकास हुआ है। करियर हो या जीवनसाथी का चुनाव, पहनावा हो या भाषा, जीवन-शैली हो या अपनी बात को रखने का अंदाज। एक बेहद आकर्षक आत्मविश्वास के साथ भारतीय युवा चमका है। आश्चर्यजनक रूप से उसके व्यक्तित्व में निखार आया है।
उसे जिद्दी कहना जल्दबाजी होगी यह जुनून और जोश की दमदार अभिव्यक्ति है। उसे अगर सही दिशा में सही अवसर मिलें, या इसे यूँ कहें कि उसे स्वयं को अभिव्यक्त करने का स्पेस दिया जाए, उस पर विश्वास करने का जोखिम उठाया जाए तो कोई वजह नहीं बनती कि उसमें शिथिलता के लक्षण भी नजर आ जाएँ। यह भारतीय युवा के कुशल मस्तिष्क की ही तारीफ है कि वैश्विक स्तर पर उस पर विश्वास किया जा रहा है। बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियाँ उसे सौंपी जा रही है।
यह इस देश की राजनीति के लिए निसंदेह शुभ और सुखद लक्षण है कि बुजुर्गों की भीड़ में अब युवा चेहरे चमक रहे हैं। देश की जनता बुजुर्ग नेताओं के कोरे भाषण सुन-सुन कर थक चुकी थी और कहना होगा कि यह बदलाव उन्हें सुहाना लग रहा है।
यहाँ भारत के युवाओं को संयम की डोर थामने की आवश्यकता है। लेकिन पूर्णतः युवाओं पर दोष मढ़ना भी ठीक नहीं है। पल-पल की अव्यवस्था और भ्रष्टाचार को देखते हुए उसका खून खौल उठता है। सही जगह पर आक्रोश व्यक्त नहीं हो पाता है फलस्वरूप यह कहीं और किसी और रूप में निकलता है। जिसका शिकार कोई निर्दोष होता है। वर्तमान फिल्मों और टीवी के बेतुके कार्यक्रमों ने उसे दिग्भ्रमित किया है। आज देश के सारे मीडिया का लक्ष्य युवा है। चाहे कॉस्मेटिक्स हो या बाइक्स, मोबाइल के नित नए मॉडल हो या महँगी जिन्स आज ये सब फैशन कम और जरूरत अधिक बन गए हैं। यहाँ तक कि विज्ञापनों में पुरानी सामान्य जरूरत को भी नए रंग-रूप में ढाल कर इस तरह पेश किया जा रहा है मानो इसे बताए गए रूप में पूरा नहीं किया गया तो उसका जीवन ही बेकार है। अफसोस कि युवा इस षड़यंत्र में उलझते दिखाई दे रहे हैं।
आज का भारतीय युवा दो वर्गों में बँटा दिखाई देता है। एक तरफ कुछ कर गुजरने का असीम जोश उसमें निहित है दूसरी तरफ वह स्वतंत्रता के नए और कुत्सित अर्थ को ही असली आजादी मान बैठा है। स्वच्छन्दता और उच्छंखलता किसी भी रूप में आजादी की शुभ परिभाषा नहीं है। असली आजादी, गरिमा और मर्यादा की परिधि में रह कर वैचारिक रूप से परिवर्तन लाने की कोशिश को कहा जाना चाहिए। ना कि सिर्फ डिस्को थैक में अपना समय गुजारने और सेक्स तथा हिंसा को अपनी जिन्दगी का लक्ष्य बना कर चलने को। यह किसी भी काल में आजादी के मायने नहीं हो सकते। यहाँ इस मोड़ पर युवा वर्ग को समझना और संभलना होगा कि मर्यादा और स्व-अनुशासन के दायरों में व्यक्त स्वतंत्रता की महता क्या है?
यह भी एक ठंडक देने वाला तथ्य सामने आया है कि गाँव का भोला-भाला गबरू जवान अब सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर सहज पकड़ हासिल कर रहा है। अब अपनी विलक्षण प्रतिभा के दम पर उसने बरसों की हीन भावना और संकोच पर विजय हासिल कर ली है। प्रतियोगी परीक्षा से लेकर चिकित्सा, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी हर विधा में अपनी क्षमता का परचम लहराया है। आज शहर के युवा जहाँ उच्च उपभोक्तावादी ताकतों के शिकार हो रहे हैं वहीं अधिकांश ग्रामीण युवा ने अपने लक्ष्य पर से निगाह हटाने की गलती नहीं की है।

दुनिया में सबसे बड़ा लिखित संविधान है भारतीय संविधान

- भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को इंडियन स्टैंडर्ड टाइम के अनुसार 10 बजकर 18 मिनट पर लागू हो गया.
- गणतंत्र दिवस के मौके पर अशोक चक्र और कीर्ति चक्र जैसे महत्वपूर्ण सम्मान दिए जाते हैं. इसके बाद परेड की मार्च पास्ट होती है.
- भारतीय संविधान को तैयार करने में सैकड़ों विद्वान जुटे. लिखित संविधान में कई बार संशोधन होने के बाद इसे अपनाने में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन का समय लगा.
- 26 जनवरी 1950 को डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने गवर्नमेंट हाउस के दरबार हाल में भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली. इर्विन स्टेडियम में झंडा फहराया गया. यही पहला गणतंत्र दिवस समारोह था. मुख्य अतिथि थे इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो.
- गणतंत्र दिवस मनाने के हालिया तरीका 1955 में शुरू हुआ. इसी साल पहली बार राजपथ पर परेड हुई. राजपथ परेड के पहले चीफ गेस्ट पाकिस्तान के गवर्नर जनरल मलिक गुलाम मोहम्मद थे.
- संविधान बनाने के लिए जिस कमेटी का गठन किया गया, उसके अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर थे.
- भारतीय संविधान में संसदीय शासन पद्धति, लोकसभा तथा विधानसभा के प्रति मंत्रिमंडल का सामूहिक उत्तरदायित्व, राष्ट्र के प्रधान के रूप में राष्ट्रपति की औपचारिक स्थिति, संसद एवं विधानमंडलों की प्रक्रिया तथा संसद एवं विधानमंडलों के सदस्यों के विशेषाधिकार एवं उन्मुक्तियां ब्रिटेन के संविधान से ली गई हैं.
- संविधान में संघ एवं राज्यों के मध्य शक्तियों का विभाजन कनाडा के संविधान से लिया गया है.
- भारतीय संविधान में आपात-उपबंध व्यवस्था जर्मनी के संविधान की गई है.
- सोवियत संघ के संविधान से मूल कर्तव्य और आस्ट्रेलिया के संविधान से समवर्ती सूची ली गई है. इसलिए ही कुछ विद्वानों ने भारतीय संविधान को ''उधार का थैला'' भी कहा है.
- गणतंत्र दिवस के मौके पर राजपथ पर तिरंगा फहराया जाता है. फिर नेशनल एंथम गाया जाता है और 21 तोपों की सलामी होती है.
- 1957 में सरकार ने बच्चों के लिए राष्ट्रीय बहादुरी पुरस्कार शुरू किया. यह पुरस्कार 16 साल से कम उम्र के बच्चों को अलग-अलग क्षेत्र में बहादुरी के लिए गणतंत्र दिवस पर दिया जाता है.
- 31 दिसंबर 1929 की मध्यरात्रि को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लाहौर में अधिवेशन हुआ. इस अधिवेशन में पहली बार तिरंगा फहराया गया. फैसला किया गया कि हर साल 26 जनवरी का दिन ''पूर्ण स्वराज दिवस'' के रूप में मनाया जाएगा. इसे भारतीयों का समर्थन मिला और यह दिन अघोषित रूप से भारत का स्वतंत्रता दिवस बन गया.
- बहुत कम लोगों को पता है कि 1955 से पहले गणतंत्र दिवस समारोह राजपथ पर आयोजित नहीं होता था. 1954 तक गणतंत्र दिवस समारोह किंग्सवे, लाल किला और रामलीला मैदान में आयोजित किए गए.
- भारतीय संविधान में संघात्मक शासन प्रणाली, मूल अधिकार, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका तथा न्यायिक पुन-अवलोकन का सिद्धांत और उपराष्ट्रपति का पद अमेरिका के संविधान से लिया गया है.
- भारतीय संविधान में गणतंत्रात्मक शासन व्यवस्था फ्रांस के संविधान से प्रेरित है.
- संविधान में राज्य की नीति के निर्देशक तत्व आयरलैंड के संविधान से लिए गए हैं.
- 395 अनुच्छेदों और 8 अनुसूचियों के साथ भारतीय संविधान दुनिया में सबसे बड़ा लिखित संविधान है.
- 26 जनवरी 1965 को हिंदी को राष्ट्रभाषा घोषित किया गया.

गर्व करने लायक उपलब्धि

भारत मजबूत लोकतंत्र है। यह गर्व करने लायक उपलब्धि है। बहुत सारे विदेशी प्रेक्षकों का मानना था कि भारत एक देश के रूप में ज्यादा समय तक टिक नहीं पाएगा या भाषायी समूह अपने अलग राष्ट्र की मांग करेगा और उसके टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे। परंतु यह सारी आशंकाएं निर्मूल साबित हुई है। आजादी से अब तक 13 आम चुनाव हो चुके हैं और राज्यों तथा स्थानीय निकायों के लिए सैकड़ों चुनाव हो चुके हैं। हमारे यहां स्वतंत्र प्रेस है और एक स्वतंत्र न्यायपालिका है। लेकिन बात पूरी तरह से इतराने की नहीं है। स्वतंत्रता के समय तय की गई कसौटियों के हिसाब से देखें तो भारतीय गणतंत्र बहुत बड़ी सफलता का दावा नहीं कर सकता। लेकिन यह भी सच है कि वह विफल नहीं हुआ है। आज हमारे देश के सामने कई समस्याएं हैं। उनमें से बड़ी है बेरोजगारी की समस्या। बेरोजगारी के कारण देश के युवकों-युवतियों में भारी असंतोष और बेचैनी पाई जाती है। यही नहीं जनसंख्या पर नियंत्रण भी इस समाधान में बड़ी सहायता कर सकती हैं।
भ्रष्टाचार - सहानुभूति एवं भ्रष्टाचार की समस्या भी बड़ी है। भ्रष्टाचार मानव को अपने पंजे में दबोच रहा है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए समाज में पुनः नैतिक मूल्यों की स्थापना करनी होगी। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कठोर दण्ड व्यवस्था होनी चाहिए।
महंगाई - महंगाई ने भी आम आदमी की कमर तोड़ दी है। काला-बाजारी तथा जमाखोरी से महंगाई बढ़ती है। पॉकेटमारी, चोरी तथा डकैती जैसी घटनाओं में वृद्धि का कारण नैतिक मूल्यों में गिरावट ही है जो महंगाई से पनपती है। तमाम समस्याओं के बावजूद हमने कई दिशाओं में तरक्की भी की है। आज का युग विज्ञान के चमत्कारी आविष्कारों का युग है।

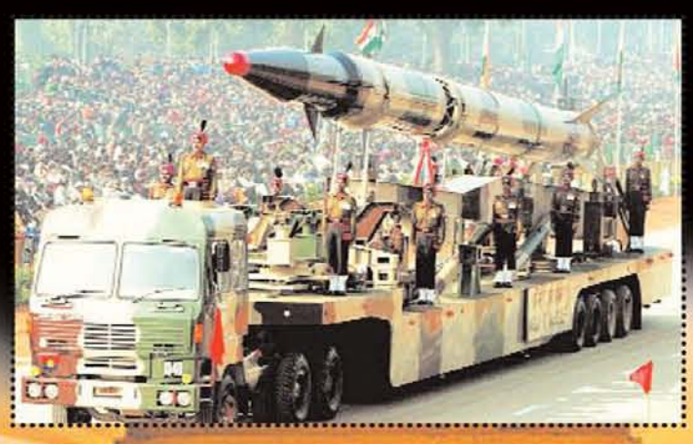

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक है प्रवीण का लक्ष्य

कर्नाटक। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ट्रिपल जम्प खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल महाद्वीपीय खेलों में एक बार फिर पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं लेकिन उनका लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। तमिलनाडु का यह खिलाड़ी 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। भारत के ही एलधोस पॉल (17.03 मीटर) और अब्दुल्ला अबुबाकर (17.02 मीटर) ने इस स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता था। प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जबकि वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहते हैं। यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूफ ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) में ट्रेनिंग कर रहे प्रवीण ने विशेष साक्षात्कार में कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, सब कुछ। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक गंवा दिया था। मेरे पास एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक है।' उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि मैं एशियाई खेल (आइची-नागोया 2026) में पदक जीतूंगा लेकिन मैं राष्ट्रमंडल खेलों (2026 में) में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता।' राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। तेइस साल के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। मैंने 2023 में ऐसा किया था और 2025 में फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं।'

ICC Test Team of The Year : साल 2024 की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में तीन भारतीय

रोहित-विराट और अश्विन को जगह नहीं

दुबई। आईसीसी ने शुक्रवार को साल 2024 के लिए पुरुषों की सर्वश्रेष्ठ वनडे टीम के एलान के बाद सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम का भी ऐलान कर दिया है। इस टीम में भारत के तीन खिलाड़ियों को जगह मिली है, लेकिन इनमें न तो रोहित शर्मा हैं और न ही विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन। टीम की कमान ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को सौंपी गई है। सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में इंग्लैंड के सबसे ज्यादा चार खिलाड़ी हैं। वहीं, भारत के तीन और न्यूजीलैंड के दो खिलाड़ियों को जगह मिली है। ऑस्ट्रेलिया का सिर्फ एक खिलाड़ी इस टीम में है, जबकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम का कोई खिलाड़ी इस टीम में नहीं है।

साल 2024 की ICC टेस्ट टीम

पैट कमिंस (कप्तान) (ऑस्ट्रेलिया), यशस्वी जयसवाल (भारत), बेन डकेट (इंग्लैंड), केन विलियम्सन (न्यूजीलैंड), जो रूट (इंग्लैंड), हैरी ब्रूक (इंग्लैंड), कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर) (इंग्लैंड), रवींद्र जडेजा (भारत), मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), जसप्रीत बुमराह (भारत)।

फैब-4 में से सिर्फ दो को मिली जगह

टीम में मौजूदा दौर के चार सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से दो ही को जगह मिली है। इनमें न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन और जो रूट शामिल हैं। स्मिथ और विराट जगह नहीं बना पाए। भारत के जिन तीन खिलाड़ियों को इसमें जगह दी गई है, उनमें ओपनर यशस्वी जायसवाल, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शामिल हैं। बुमराह मौजूदा समय में आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष गेंदबाज हैं, जबकि जडेजा टेस्ट में शीर्ष रैंकिंग वाले ऑलराउंडर हैं।

टीम में और कौन-कौन

आईसीसी की टीम में ओपनिंग में यशस्वी का साथ इंग्लैंड का बेन डकेट निभा रहे हैं। जबकि तीसरे स्थान पर विलियम्सन और चौथे स्थान पर रूट हैं। पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक और छठे स्थान पर श्रीलंका के ऑलराउंडर कामिंदु मेंडिस हैं। विकेटकीपर की जिम्मेदारी इंग्लैंड के जेमी स्मिथ को सौंपी गई है। तेज गेंदबाजी का जिम्मा कमिंस के अलावा न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और बुमराह के हाथों में होगा।

रूट और यशस्वी का रहा है जलवा

रूट पिछले साल टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। वहीं, यशस्वी इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर थे। विलियम्सन ने भी चोट से वापसी करने के बाद शानदार फॉर्म दिखाया था। हालांकि, तीनों की टीमें आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस से बाहर हो चुकी हैं। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना जून में ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से होगा।

Women's ODI Team Of The Year : 2024 की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे टीम में

दो भारतीय, द. अफ्रीका की खिलाड़ी को कमान

दुबई। आईसीसी ने पुरुषों के साथ-साथ साल 2024 की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे टीम की भी घोषणा कर दी है। इस टीम में दो भारतीयों को जगह दी गई है। इनमें स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शामिल हैं। महिला की सर्वश्रेष्ठ वनडे टीम में भारत के अलावा इंग्लैंड की तीन खिलाड़ी, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की दो-दो खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, श्रीलंका और वेस्टइंडीज की एक-एक खिलाड़ी है।

मंधाना के लिए बेहतरीन रहा था साल 2024

28 साल की मंधाना ने पिछले साल 13 मैचों में 747 रन बनाए थे। वह साल 2024 की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रही थीं। इसकी वजह से उन्हें साल 2024 की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे खिलाड़ी के लिए भी नामित किया गया है। मंधाना ने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 29 गेंद में 29 रन बनाकर की थी। इसके बाद उन्हें अगले वनडे के लिए छह महीने का इंतजार करना पड़ा था। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जब वह खेलीं तो शानदार फॉर्म में दिखीं।

दीप्ति भी शानदार फॉर्म में रही थीं

इस टीम के खिलाफ सीरीज में उन्होंने लगातार दो शतक लगाए। वह तीसरे वनडे में शतक से चूक गई थीं। 343 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रही थीं। उन्होंने अक्तूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। वहीं, दीप्ति की बात करें तो उन्होंने पिछले साल 13 मैचों में 186 रन बनाए और 24 विकेट झटके। अपने ऑलराउंड शो से उन्होंने इस टीम में जगह बनाई।

टीम में और कौन-कौन खिलाड़ी

आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे टीम में ओपनिंग की जिम्मेदारी मंधाना और वोल्वार्ड्ट को दी गई है। दक्षिण आफ्रीका की वोल्वार्ड्ट इस टीम की कप्तान भी हैं। इनके अलावा टीम में चमारी अट्टापट्टू और हेली मैथ्यूज जैसी विस्फोटक बल्लेबाज भी हैं। टीम के पास कई बेहतरीन ऑलराउंडर्स हैं। दीप्ति के अलावा टीम में मारिजाने कैप, गार्डनर और सदरलैंड जैसी दिग्गज ऑलराउंडर हैं। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी एमी जोन्स को सौंपी गई है।

2024 के लिए आईसीसी महिला वनडे टीम ऑफ द ईयर

स्मृति मंधाना (भारत), एल वोल्वार्ड्ट (कप्तान) (दक्षिण आफ्रीका), चमारी अट्टापट्टू (श्रीलंका), हेली मैथ्यूज (वेस्टइंडीज), मारिजाने कैप (दक्षिण आफ्रीका), एश्ले गार्डनर (ऑस्ट्रेलिया), एनाबेल सदरलैंड (ऑस्ट्रेलिया), एमी जोन्स (विकेटकीपर) (इंग्लैंड), दीप्ति शर्मा (भारत), सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड), केट क्रॉस (इंग्लैंड)।

रोहित रणजी ट्रॉफी में वापसी के दूसरे प्रयास में भी फेल

मुंबई। रोहित शर्मा की रणजी ट्रॉफी में वापसी कुछ खास नहीं रही और दूसरी पारी में भी वह कमाल नहीं दिखा पाए। भारतीय कप्तान ने उमर नजीर की गेंद पर छक्का लगाया और फिर औकीब नबी तथा युद्धवीर सिंह की गेंदों पर आसानी से दो और शॉट लगाकर अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी की झलक दिखाई। लेकिन आखिरकार 28 रन पर उनकी पारी का अंत हुआ। इस दौरान उन्होंने 35 गेंदें खेली जिसमें 2 चौके और 3 छक्के शामिल थे। एक दशक में मुंबई के लिए घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में अपना पहला मैच खेल रहे रोहित का पहला दिन बहुत खराब रहा, जब 37 वर्षीय यह खिलाड़ी जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के शुरुआती घंटे में 19 गेंदों पर 3 रन बनाकर आउट हो गए। शुक्रवार को रोहित ने खुद को बेहतर साबित करते हुए 28 रन की शानदार पारी खेली जो पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट की दूसरी पारी में 52 रन बनाने के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रोहित ने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार मैचों में 0, 8, 18, 11, 3, 6, 3 और 9 रन बनाए हैं। अक्टूबर के मध्य में भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में शीर्ष पर था और राष्ट्रीय टीम के लिए घर पूरी तरह से व्यवस्थित था। लेकिन न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद यह सब बिखर गया जिसने भारतीय सुपरस्टार्स को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए मजबूर कर दिया। शुक्रवार को, वह एक बड़ी पारी की तलाश में थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रोहित की 28 रनों की पारी में शुरुआती दौर में हिट और मिस दोनों शामिल थे जो चौथे ओवर में नजीर द्वारा छोड़े गए एक मुश्किल मौके से शुरू हुआ, जब वह अपने फॉलो थ्रू पर रिटर्न कैच नहीं पकड़ सके। रोहित ने तुरंत स्क्वायर लेग पर छक्का लगाने के लिए पुल शॉट के साथ जवाब दिया। एक मोटा बाहरी किनारा फिर गली और दूसरी स्लिप में फील्डर के बीच से उड़ गया और अंतिम गेंद पर रोहित ने जोरदार और वाइड शॉट लगाया और गेंद को ऑफ-साइड पर एक और चौका लगा दिया। रोहित ने एक समय 11 गेंदों पर 21 रन बना लिए थे लेकिन वे ज्यादातर समय सतर्क रहे, हालांकि कुछ मौकों पर वे रन बनाने में विफल रहे। बीकेसी में दूसरे दिन विकेट पर तुलनात्मक रूप से नमी नहीं होने के कारण जम्मू-कश्मीर के गेंदबाजों को भी इसे कड़ा रखने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन वे रोहित को तीन छक्के और दो चौके लगाने से नहीं रोक सके।

शतक लगाने के बाद शार्दुल ठाकुर का धांसू जश्न

पंत-रहाणे के साथ मुंबई के खेमे ने खड़े होकर बजाई ताली

नई दिल्ली। स्टार ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने एक बार फिर से मुंबई को रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए मैच के दूसरे दिन दमदार वापसी कराई। जम्मू-कश्मीर के खिलाफ दूसरी पारी में उन्होंने दमदार शतक लगाया। पहली पारी में 86 रन से पिछड़ने के बाद मुंबई ने दूसरी पारी में 101 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन शार्दुल ने तनुष कोटियान के साथ आठवें विकेट के लिए 173 रन की अटूट साझेदारी करके पारी को संभाला। शतक पूरा करने के बाद शार्दुल ने दमदार जश्न मनाया, जोकि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शार्दुल ने 105 गेंदों में शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में 17 बाउंड्री लगाई। शार्दुल ने इससे पहले पहली पारी में भी शतक लगाया था। शार्दुल चोटिल होने के बाद भारतीय टीम से बाहर होने के बाद वापसी की कोशिश में हैं, हालांकि पिछली कुछ सीरीज में चयनकर्ताओं ने उन्हें नजरअंदाज किया है लेकिन जम्मू कश्मीर के खिलाफ उनके इस शतक ने वापसी की उम्मीद को फिर से जगा दिया है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक मुंबई ने शार्दुल और कोटियान की पारियों की बदौलत सात विकेट पर 274 रन बनाकर 188 रन की बढ़त हासिल कर ली है। शार्दुल को इस पारी के दौरान पैर में जकड़न की समस्या से जूझना पड़ा।

7 साल बाद चेन्नई में T-20 खेलेगा भारत

पूरी तरह बदल गई है टीम, सिर्फ 1 खिलाड़ी स्क्वॉड का हिस्सा

नई दिल्ली। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार, 25 जनवरी को चेन्नई के एमएस चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाना है। कोलकाता में खेले गए पहले टी-20 को 7 विकेट से जीतकर टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत की नजरें अब चेन्नई टी20 को भी अपने नाम कर बढ़त को दोगुना करने पर होगी। टीम इंडिया 7 साल के लंबे इंतजार के बाद चेपॉक में T20I खेलने वाली है। पिछली बार 2018 में भारत का सामना वेस्टइंडीज से हुआ था, जहां रोमांचक मुकाबले में टीम इंडिया ने आखिरी गेंद पर 6 विकेट से जीत दर्ज की थी। 7 साल पहले जब भारतीय टीम यहां खेली थी तो रोहित शर्मा ने टीम की अगुवाई की थी, वहीं शिखर धवन और दिनेश कार्तिक जैसे खिलाड़ी टीम का हिस्सा थे। हालांकि 2018 से 2025 तक स्क्वॉड पूरी तरह से बदल गया है। सिर्फ वॉशिंगटन सुंदर ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो 2018 और 2025 के स्क्वॉड का हिस्सा हैं। रोहित शर्मा जहां टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, वहीं शिखर धवन और दिनेश कार्तिक जैसे खिलाड़ियों ने इंटरनेशनल क्रिकेट को ही अलविदा कह दिया है।

भारत का 2025 का टी-20 स्क्वॉड

अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, मोहम्मद शमी, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारत ने अभी तक सिर्फ दो T20I मुकाबले खेले हैं, जिसमें 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, वहीं 2018 में भारत वेस्टइंडीज से जीता था।

कुहनेमैन चोट से उबरने के बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट टीम में होंगे शामिल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन को अंगूठे की चोट की सर्जरी के बाद ठीक होने के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए हरी झंडी दे दी गई है। बिग बैश लीग (BBL) के दौरान पिछले सप्ताह कुहनेमैन का दाहिना अंगूठा टूट गया था, लेकिन फिलहाल गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान वह नेट्स में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं। वह श्रीलंका पहुंचेंगे। गुरुवार को एलन बॉर्डर फील्ड में कुहनेमैन को हीट और क्वींसलैंड के गेंदबाजी कोच एंडी बिचेल ने आठ ओवर गेंदबाजी और बल्लेबाजी करते हुए आउट किया। हीट के फिजियो एडम स्मिथ की देखरेख में उन्होंने फील्डिंग करते हुए कुछ कैच पकड़े।

ब्रिस्बेन में सफल अभ्यास सत्र के बाद कुहनेमैन श्रीलंका में होने वाली आगामी दो मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में शामिल होने की मंजूरी मिलने को लेकर आशावादी हैं। 28 वर्षीय बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर को होबार्ट हरिकेंस से हारने के बाद ब्रिसबेन हीट के लिए खेलते समय चोट लगी थी। खेल के दौरान अंगूठे पर चोट लगने के बाद कुहनेमैन को टीम के साथी डेनियल डू द्वारा अस्पताल ले जाया गया, जहां अव्यवस्था को ठीक किया गया। अगली सुबह सर्जरी में फ्रैक्चर में एक पिन डाली गई। चोट की गंभीरता के बावजूद कुहनेमैन की रिकवरी तेजी से हुई।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

नोवाक जोकोविच चोटिल, पहला सेट हारने के बाद सेमीफाइनल से हटे

मेलबर्न। नोवाक जोकोविच चोटिल होने के कारण शुक्रवार को यहां अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल का पहला सेट हारने के बाद मैच से हट गए। जोकोविच ने पहला सेट टाईब्रेकर में 7-6 (5) से गंवा दिया था। इसके बाद उन्होंने नेट के चारों ओर चक्कर लगाया और मैच से हटने का फैसला किया। इस तरह से ज्वेरेव फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। कार्लोस अल्कराज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान जोकोविच की पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उन्होंने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया और उसके बाद कोर्ट से बाहर चले गए। जोकोविच ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में अपने पैर में दर्द का जिक्र करते हुए कहा, 'यह और भी बदतर होता जा रहा था।

हैरी ब्रूक ने पहले टी-20 में हार के बाद वापसी की ट्रिक बताई

चेन्नई। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने कहा कि अगर इंग्लैंड कोलकाता में सात विकेट से मिली करारी हार से उबरकर श्रृंखला बराबर करना चाहता है तो मेहमान टीम को भारत पर लगातार दबाव बनाना होगा। ईडन गार्डन्स में जीत के बाद भारत पांच मैच की श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रहा है। ब्रूक ने दूसरे टी-20 मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'हम बिलकुल भी दबाव में नहीं हैं। भारत एक बहुत अच्छी टीम है इसलिए हम जानते थे कि वे हमें कड़ी टक्कर देंगे और हां, उन्होंने शानदार खेल दिखाया। हमें बस दबाव बनाए रखने की जरूरत है, वही संदेश जो बैज (ब्रेंडन मैकुलम) हर समय देते रहे हैं। हमें उनके गेंदबाजों पर दबाव बनाने और उनकी पारी के दौरान विकेट लेने की कोशिश करनी होगी। आपको हमेशा थोड़ा और बेहतर करने की जरूरत होती है।' ब्रूक ने ईडन गार्डन्स में कप्तान जोस बटलर के शानदार अर्धशतक से कुछ सीख लेने की उम्मीद जताई जिन्होंने 44 गेंद में 68 रन की पारी खेली। उन्होंने कहा, 'हां, उन्हें निश्चित रूप से भारत में खेलने का काफी अनुभव है। उन्होंने आईपीएल में और जब भी वह इंग्लैंड के लिए यहां खेले हैं तो शानदार प्रदर्शन किया है। इसलिए उन्हें मैदान पर उतरते और रन बनाते देखकर काफी अच्छा लगता है। उन्हें दूसरे छोर से थोड़ी देर तक देखना सुखद था।'

वानखेड़े स्टेडियम की शानदार 50वीं वर्षगांठ मनाई गई

मुंबई। भारतीय क्रिकेट इतिहास के स्तंभ वानखेड़े स्टेडियम ने 19 जनवरी, 2025 को अपनी 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक भावनात्मक, यादगार और भव्य आयोजन का गवाह बना। इस ऐतिहासिक स्थल पर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) द्वारा आयोजित समारोह में सुगी ग्रुप ने टाइटल स्पॉन्सर के रूप में इस जश्न को और खास बना दिया। इस मनमोहक शाम की मेज़बानी मंदिरा बेदी, प्रसन्ना संत, और जतिन सपरू ने की, जिसमें अवधूत गुप्ते और अजय-अतुल जैसे प्रसिद्ध कलाकारों के शानदार प्रदर्शन और आकर्षक लेजर शो ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 1974 में स्थापित यह आइकॉनिक स्टेडियम कई ऐतिहासिक क्रिकेट क्षणों का साक्षी रहा है और आधुनिक क्रिकेट इतिहास में अपनी पहचान बनाई है। इस आयोजन में विभिन्न पीढ़ियों के क्रिकेट दिग्गज, जैसे सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा, रवि शास्त्री, अजिंक्य रहाणे, डायना एडुल्जी, श्रेयस अय्यर और यशस्वी जयसवाल ने भाग लिया। प्रशंसकों ने भावनात्मक पलों, वानखेड़े के गौरवशाली इतिहास को सलाम और भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए प्रेरणादायक दृष्टिकोण का अनुभव किया। पूर्व और वर्तमान के क्रिकेट कप्तानों ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं, जबकि ग्राउंड्समैन और सपोर्ट स्टाफ को सम्मानित किया गया। सभी ने इस स्टेडियम के उनके करियर और भारत की क्रिकेट यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। मुंबई की क्रिकेट विरासत, जो हर साल प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करती है, स्टार खिलाड़ियों के बीच चर्चा का मुख्य विषय रही। सुगी ग्रुप के फाउंडर और मैनेजिंग पार्टनर, श्री निशांत देशमुख ने एमसीए के साथ इस ऐतिहासिक आयोजन में साझेदारी करने पर गहरा गर्व व्यक्त करते हुए कहा, "वानखेड़े स्टेडियम केवल एक स्थान नहीं है; यह मुंबई के क्रिकेट प्रेम का प्रतीक और शहर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बनना सुगी ग्रुप के लिए अत्यंत सम्मान और आभार का क्षण है। यह जश्न हमारे मूल्यों, जैसे जीवन को समृद्ध बनाने, विरासत को संरक्षित करने और समय की सीमाओं से परे संबंध स्थापित करने, को दर्शाता है। इस प्रतिष्ठित आयोजन में योगदान देना मुंबई की भावना और पीढ़ियों के लिए बनाए गए अमूल्य क्षणों को श्रद्धांजलि देने जैसा है।"

एमसीए अध्यक्ष अजीत नाइक ने कहा, "हमारे टाइटल स्पॉन्सर के रूप में सुगी ग्रुप के समर्थन ने इस आयोजन की भव्यता को और बढ़ाया। मुंबई के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता वानखेड़े स्टेडियम की भावना से मेल खाती है, और हमने मिलकर देशभर के क्रिकेट प्रेमियों को एक अविस्मरणीय अनुभव दिया।"

भारत सुरक्षित है तो हर पंथ, संप्रदाय सुरक्षित है : मुख्यमंत्री

महाकुंभनगर (ब्यूरो)। प्रयागराज दौरे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ-योगी महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने एक बार फिर महाकुम्भ को एकता का संदेश देने वाला देश और दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन बताया और सनातन धर्म को विराट वट वृक्ष की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म एक विराट वट वृक्ष है। इसकी तुलना किसी झाड़ और झंखाड़ से नहीं होनी चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया के अंदर अन्य संप्रदाय हो सकते हैं, उपासना विधि हो सकती है, लेकिन धर्म तो एक ही है और वह है सनातन धर्म। यही मानव धर्म है। भारत में जितनी भी उपासना विधियां हैं वह अलग पंथ और संप्रदाय की से भले ही जुड़ी हों, लेकिन निष्ठा और आस्था सब की सनातन धर्म से जुड़ी हुई है। सबका उद्देश्य तो एक ही है। इसलिए महाकुम्भ के इस पावन आयोजन पर हम सबको पूरी दुनिया से आए लोगों को एक ही संदेश देना है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री जी का कहना है कि महाकुंभ का संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा देश।

उन्होंने कहा कि याद रखना, भारत सुरक्षित है तो हम सब सुरक्षित हैं। भारत सुरक्षित है तो हर पंथ, हर संप्रदाय सुरक्षित है और अगर भारत के ऊपर कोई संकट आएगा तो सनातन धर्म पर संकट आएगा। सनातन धर्म पर संकट आएगा तो भारत के अंदर कोई भी पंथ और संप्रदाय अपने आप को सुरक्षित महसूस ना करे। वह संकट सबके ऊपर आएगा, इसलिए संकट की नौबत आने ना पाए, इसके लिए एकता का संदेश आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि इस महाकुम्भ के आयोजन से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। जब पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के दिन कोटि-कोटि श्रद्धालु मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती की पावन त्रिवेणी के संगम पर डुबकी लगाकर अभिभूत हो रहे थे तब उने जो पॉजिटिव कमेंट्स थे उसने पूरी दुनिया की आंखों को खोलने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार कहते हैं की यह सदी भारत की सदी है, भारत की सदी का मतलब हर एक क्षेत्र में भारत को विकास की बुलंदियों को छूना है। लेकिन हर एक क्षेत्र में देश उन बुलंदियों को तब छुएगा जब उस क्षेत्र से जुड़े हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों का ईमानदार पूर्वक निर्वहन करेंगे। जो राजनीति मैं हैं वह राजनीति के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, सीमा पर सेना देश की रक्षा का काम कर रही है और धार्मिक जगत से जुड़े हुए हमारे पूज्य संत भी अपना दायित्व निभा रहे हैं।

सीएम ने कहा, भारत से सनातन धर्म की संस्कृति दुनिया के अंदर पहुंची तो वह तलवार के बल पर नहीं, बल्कि अपने सद्भाव के माध्यम से पहुंची। दक्षिण पूर्वी एशिया के तमाम देशों में जहां भी सनातन धर्म पहुंचा है वहां पर उन्होंने अपने कार्य से, व्यवहार से भारत के मूल्य और आदर्श से वहां के समुदाय को अपनी ओर आकर्षित किया है। दुनिया के कई देशों ने राम की, कृष्ण की या फिर बुद्ध की परंपरा को स्वीकार किया है और बड़े गौरव के साथ उस परंपरा से जुड़ने के बाद खुद को गौरवान्वित महसूस करते हैं। आप दुनिया के किसी भी देश में जाइए, किसी न किसी रूप में वह भारत के साथ जुड़ते हुए दिखाई देते हैं। एक अंधकार का युग था, जिससे उबर कर हम लोग आगे की ओर बढ़ रहे हैं।

सीएम योगी ने चेताया कि आज जितना सकारात्मक माहौल है, उतनी ही चुनौतियां भी हैं। देश की एकता को, समाज की एकता को कहीं भी खंडित नहीं होने देना है। कुछ लोग हमें बांटना चाहते हैं, भाषा के नाम पर बांटने का काम कर रहे हैं उन लोगों के किसी भी षड्यंत्र में हमारे पूज्य संतों को नहीं पड़ना है। कोई ऐसी नकारात्मक टिप्पणी हम लोग अपने स्तर पर ना करें। यह कितना अच्छा अवसर है कि 2025 की शुरुआत में महाकुम्भ का भव्य आयोजन हो रहा है। इससे पहले 2024 के जनवरी माह में 500 वर्षों का इंतजार खत्म करते हुए श्रीराम जन्मभूमि में भगवान राम का मंदिर बना। 2019 में कुम्भ का भव्य आयोजन यहीं प्रयागराज में ही हुआ था।

महाकुम्भ दे रहा एकता का संदेश

सीएम ने कहा कि आपने देखा होगा कि क्या पवित्र भाव के साथ महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। कोटि-कोटि श्रद्धालु आ रहे हैं। आज यहां पर वर्तमान में दो करोड़ श्रद्धालु मौजूद हैं। सभी सड़कें चोक हो चुकी हैं। यह लगातार चलेगा। पिछले 10 दिनों के अंदर महाकुम्भ के पावन त्रिवेणी संगम में 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं और अगले 35 दिन के अंदर यह संख्या 45 करोड़ पहुंचने वाली है। दुनिया के अंदर कितने देश हैं जो 45 करोड लोगों को एक अस्थाई शहर में आमंत्रित करके उनको जोड़ने का संदेश देते हैं। दुनिया के अंदर कौन सा ऐसा देश है, जहां पर कोई भूखा नहीं सो सकता। यहां किसी भी अखाड़े में जाएंगे, किसी भी शिविर में जाएंगे, वहां पर उसको 2 जून की रोटी मिल जाएगी। वहां आशीर्वाद भी मिलेगा, दक्षिणा भी मिलेगी और प्रसाद भी प्राप्त होगा। यह केवल सनातन धर्म ही दे सकता है। लाखों, करोड़ों लोग जो यहां आ रहे हैं, उन्हें कोई चिंता नहीं। कहां रहना है, कहां सोना है, क्या खाना है, कैसे जाना है, किसी बात की कोई चिंता नहीं। बस अपना बैग, अपनी गठरी उठाई और चल दिए। यह ताकत है सनातन धर्म की, यह ताकत है पूज्य संतों की। यहां उसकी कोई जाति नहीं पूछ रहा, उसका कोई पंथ और संप्रदाय नहीं पूछ रहा है, कोई नाम नहीं पूछता है।

मुख्यमंत्री ने साधु-संतों का हृदय से अभिनंदन किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न तीर्थ स्थलों से आए श्री महंत, आचार्य और योगेश्वर का हृदय से सम्मान किया। उन्होंने जूना पीठाधीश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, परमात्मानंद महाराज और निर्मलानंद महाराज को शॉल ओढ़ाकर और गोरखनाथ जी की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। इनके साथ ही सतुआ बाबा, सुदर्शनाचार्य महाराज, स्वामी धीरेंद्र और स्वामी जितेंद्रनाथ का भी सम्मान किया गया। उन्होंने रामानुजाचार्य, श्रीधराचार्य, शेरनाथ महाराज, उमेशनाथ महाराज, कृष्णनाथ महाराज, समुद्रनाथ महाराज, संख्यनाथ महाराज, रामनाथ महाराज, श्री महंत सोमवरनाथ महाराज, और मिथिलेशनाथ महाराज का भी अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज में अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष 12 पंथ-योगी महासभा के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

महाकुंभ में जन औषधि केन्द्र बने आकर्षण का केन्द्र

फार्मास्यूटिकल एंड मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया के सीईओ ने जन औषधि स्टॉल का दौरा किया

महाकुंभनगर (ब्यूरो)। फार्मास्यूटिकल एंड मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई), डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स, भारत सरकार के सीईओ रवि दधीच (दानिक्स) ने महाकुंभनगर के सेक्टर-07 स्थित कलाग्राम में जन औषधि स्टॉल और अन्य जन औषधि केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आगंतुकों और केंद्र संचालकों से संवाद कर प्रधानमंत्री जन औषधि योजना की उपयोगिता और लाभों पर चर्चा की।

सीईओ रवि दधीच ने जानकारी दी कि महाकुंभ नगर में पांच जन औषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें से एक केंद्र कलाग्राम में स्थित है। ये केंद्र महाकुंभ मेले की पूरी अवधि के दौरान संचालित रहेंगे। इनका उद्देश्य सस्ती, गुणवत्तापूर्ण दवाओं की जानकारी और उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों से दवाएं खरीदने पर आम जनता को 50 से 90 प्रतिशत तक की बचत होती है। श्री दधीच ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 2633 जन औषधि केंद्र संचालित हैं, जबकि प्रयागराज में ऐसे 62 केंद्र कार्यरत हैं। देशभर में जन औषधि योजना के तहत अब तक 15,000 से अधिक केंद्र खोले जा चुके हैं, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा से 25,000 केंद्र खोलने का लक्ष्य है। इस वर्ष इन केंद्रों के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपये की दवाइयों की बिक्री का लक्ष्य है, जिसमें से 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का लक्ष्य पहले ही पूरा हो चुका है।

इस अवसर पर पीएमबीआई के प्रबंधक गौतम कपूर, सहायक प्रबंधक नितिन सिंह, नोडल अधिकारी मानवेन्द्र सिंह चौहान, केंद्र संचालक और आगंतुक उपस्थित रहे।

पूर्व क्रिकेटर ने किया त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान

महाकुंभनगर (ब्यूरो)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना शनिवार को महाकुम्भ पहुंचे और पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान किया। अपने अनुभव को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा करते हुए उन्होंने इस आयोजन को अविस्मरणीय बताया और इसे आध्यात्मिकता और दिव्य ऊर्जा का संगम करार दिया।

सुरेश रैना ने अपने पोस्ट में लिखा, 'महाकुंभ में अविस्मरणीय दर्शन का अनुभव हुआ। इस आयोजन की दिव्य ऊर्जा और आध्यात्मिकता ने मुझे बेहद प्रभावित किया। इस पवित्र आयोजन का हिस्सा बनकर धन्य महसूस कर रहा हूं।' महाकुम्भ में सुरेश रैना की उपस्थिति ने उनके प्रशंसकों और भक्तों के बीच उत्साह का माहौल बना दिया। वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं और इस मौके को यादगार बनाया।

सभी देशवासियों एवं इफको के कर्मचारियों तथा धियानगर फूलपुर के निवासियों को कर्मचारी संघ की ओर से
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

पंकज पाण्डे
अध्यक्ष

विजय कुमार यादव
महामंत्री
इम्पलाइज यूनियन इफको फूलपुर प्रयागराज

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)

कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

सभी देशवासियों एवं इफको के अधिकारियों तथा धियानगर फूलपुर के निवासियों को एसोशिएसन के अध्यक्ष और महामंत्री की ओर से
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

अनुराग तिवारी
अध्यक्ष

स्वयं प्रकाश
महामंत्री
ऑफीसर्स एसोसिएशन इफको फूलपुर, प्रयागराज

कृषक बन्धुओं को गणतंत्र दिवस
के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं
"इफको नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डी.ए.पी. का अस्त्र, दूसरी हरित क्रान्ति का मार्ग प्रशस्त"
मृदा परीक्षण, कृषक प्रशिक्षण तथा बहुमुखी ग्राम विकास पौध प्रवर्धन, जैव उर्वरक व उन्नत बीज ।
शुद्ध दूध व शहद परिष्कृत, सदा सुलभ स्वादिष्ट अचार
कृषकों की तकनीकी सेवा में कोरडेट रहे सतत् तैयार ।।
किसानों की खुशहाली के लिए कोरडेट का प्रयास

CORDET
डा0 हरिश्चन्द्र
प्रधानाचार्य
कोआपरेटिव रूरल डेवलपमेन्ट ट्रस्ट
इफको, फूलपुर, प्रयागराज

IFFCO NANO FERTILISERS
इफको नैनो यूरिया प्लस एवं
इफको नैनो डीएपी का वादा,
उपज अधिक और लाभ ज़्यादा
आत्मनिर्भर भारत, आत्मनिर्भर कृषि
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
देश का आविष्कार, देश में बना,
देश के किसानों को समर्पित
फसल उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि
उपयोग में आसान
सभी तरह की फसलों के लिए उपयुक्त
जल, वायु एवं मृदा प्रदुषण में कमी
सुरक्षित एवं हानिरहित
भण्डारण एवं परिवहन में आसानी

अधिक जानकारी के लिए निकटतम सहकारी समिति या इफको किसान सेवा केंद्र से सम्पर्क करें।
आज ही ऑर्डर करें : www.iffcobazar.in
#IFFCONanoUrea
इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड - फूलपुर इकाई
पोस्टः धियानगर, फूलपुर, प्रयागराज - 212404 उ. प्र.
Tel: (0532) 241334, 251250, 251251, E.Mail: phulpur@iffco.in, website-www.iffco.in

कृति ने छावा ट्रेलर को बताया 'ब्लॉकबस्टर'

विक्की कौशल-रश्मिका के लुक की तारीफ

कृति सेनन ने विक्की कौशल स्टारर फिल्म छावा के ट्रेलर की तारीफ करते हुए अपने सोशल मीडिया हैंडल पर छावा का ट्रेलर शेयर किया और साथ ही शानदार नोट भी लिखा। कृति ने अपने छावा के ट्रेलर को "ब्लॉकबस्टर" बताया साथ ही छावा की मुख्य जोड़ी यानी रश्मिका और विक्की के प्रभावशाली लुक की भी सराहना की है।

कृति ने की छावा के ट्रेलर की तारीफ

अर्जुन कपूर, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट ने भी ट्रेलर की तारीफ कर चुके हैं। फिल्म 14 फरवरी को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। कृति सेनन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में छावा का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, बड़े पैमाने पर मेगा ब्लॉकबस्टर लोड हो रहा है... रोंगटे! लक्ष्मण उतेकर सर !! क्या बात है !! सभी कास्ट को टैग करते हुए कृति ने लिखा सबसे अच्छा लग रहा है। रश्मिका का मराठी अवतार पसंद आया। रश्मिका मंदाना ने कृति के इस पोस्ट पर प्यारे इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी।

कृति के अलावा आलिया-अर्जुन का पोस्ट

बॉलीवुड के कई स्टार्स ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर छावा की तारीफ की है। अर्जुन कपूर ने ट्रेलर शेयर किया और लिखा, यह शक्तिशाली कहानी और लुभावने दृश्यों के साथ एक भव्य ऐतिहासिक तमाशा का वादा करता है। 14 फरवरी को सिनेमाघरों में छावा को मिस न करें मैडॉकफिल्म्स और अरहमान।" आलिया भट्ट ने भी ट्रेलर की प्रशंसा की और लिखा, 'ट्रेलर एकदम शानदार है।

फिल्म छावा

छावा एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। फिल्म में विक्की कौशल मराठा साम्राज्य के संस्थापक के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाते नजर आए। वहीं रश्मिका ने फिल्म में संभाजी महाराज की पत्नी येसूबाई भोसले का किरदार निभाया है।

अक्षय कुमार की इस फिल्म ने बदली तापसी पन्नू की किस्मत!

7 मिनट के रोल से करियर ने लिया नया मोड़

साउथ इंडस्ट्री से बॉलीवुड तक में अपना पैर जमाने वाली एक्ट्रेस तापसी पन्नू आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है. उन्होंने कई फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन एक्ट्रेस के लिए बॉलीवुड में सफलता हासिल करना इतना भी मुश्किल नहीं था. दरअसल, अक्षय कुमार की एक फिल्म में एक्ट्रेस को मिले महज 7 मिनट का रोल उनके करियर के टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, जिसका खुलासा खुद तापसी पन्नू ने किया है.

तापसी पन्नू ने हाल ही में उन पलों को याद किया, जिसके बाद उनके करियर ने रफ्तार पकड़ी थी और फिर खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें महज 7 मिनट के रोल से बॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी मदद मिली. साल 2015 में आई अक्षय कुमार कि फिल्म 'बेबी' में एक 7 मिनट का छोटा सा रोल निभाया था और यही उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बना. तापसी ने ये किस्सा 'बेबी' के 10 साल पूरे होने के मौके पर शेयर किया. उन्होंने कहा कि फिल्म में 7 मिनट का सीन ने पॉजीटिव इंपैक्ट छोड़ा इसके बाद उनके करियर को बेहतर शेप मिली. एक्ट्रेस ने कहा कि, मिनटों की संख्या मायने नहीं रखती है. आप उन मिनटों में जो करते हैं, उससे जो प्रभाव छोड़ते हैं, वह मायने रखता है.' उन्होंने आगे कहा, 'सात मिनट, जिसने मेरे लिए करियर की दिशा को हमेशा के लिए बदल दिया. आपका सच्चा, नाम शबाना.' 'बेबी' में शबाना के रूप में अपनी शानदार भूमिका निभाने के बाद, तापसी ने साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'नाम शबाना' में अपने किरदार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया.

अर्जुन बाजवा ने सारा अली खान संग रिलेशनशिप रूमर्स पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान की हाल ही में मोस्ट अवेटेड फिल्म 'स्काईफोर्स' रिलीज हुई है. इस मूवी में सारा वीर पहाड़िया के अपोजिट नजर आ रही हैं. मूवी में इस जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है. अब इसी बीच एक्ट्रेस अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं. दरअसल बता दें कि सारा अली खान का नाम इन दिनों मॉडल अर्जुन बाजवा संग जुड़ रहा है. हाल ही में दोनों ने राजस्थान से अपने अलग-अलग फोटोज शेयर किए थे, जिसके बाद दोनों के लिंकअप रूमर्स को लेकर अटकलें लगाई जाने लगीं. वहीं अब इन रूमर्स पर खुद अर्जुन बाजवा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है.

एक इंटरव्यू में अर्जुन बाजवा ने सारा अली खान संग अपने रिश्ते पर सफाई पेश करते हुए लिखा, 'लोगों को जो लिखना है, वह लिखेंगे. यह उनका काम है, वह बस अपनी नौकरी कर रहे हैं. मैं केवल खुद पर ध्यान दे रहा हूं और अपने काम पर ध्यान दे रहा हूं. इन अफवाहों से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता. मैं केवल वही करता हूं जो मेरा दिल करता है.'

अर्जुन बाजवा संग केदारनाथ पहुंची थीं सारा अली खान

सारा अली खान और अर्जुन बाजवा साल 2024 में एक साथ केदारनाथ पहुंचे थे, जहां से दोनों के डेटिंग रूमर्स की अटकलें शुरू हुई थीं. बाद में ये दोनों दिसंबर में राजस्थान में एक-साथ वेकेशन मनाते नजर आए थे. गौरतलब है कि अर्जुन बाजवा मॉडल के साथ-साथ एक एक्टर भी हैं. वह राजनेता फतेह जंग सिंह बाजवा के बेटे हैं. अर्जुन 'बैंड ऑफ महाराजा' में भी नजर आ चुके हैं. इसके अलावा वह अक्षय कुमार की फिल्म 'सिंह इज ब्लिंग' में भी असिस्ट कर चुके हैं.

अवनीत कौर ने पहना इतना छोटा आउटफिट

फोटो देख बढ़ी फैंस के दिलों की धड़कने

अवनीत कौर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी. वह 'ट्विस्ट वाला लव', 'चंद्र नंदिनी' और 'अलादीन- नाम तो सुना होगा' जैसे टीवी सीरियलों का हिस्सा रह चुकी हैं. वहीं अब वह बॉलीवुड और ओटीटी पर भी अपना हाथ आजमा रही हैं. अवनीत कौर सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं.

हाल ही में उन्होंने कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, इन फोटोज में अवनीत रेड कलर का शॉर्ट आउटफिट पहनें दिख रही हैं. इन तस्वीरों के सामने आते ही वह सुर्खियों में आ गई हैं. अवनीत कौर की बोल्डनेस से फैंस की निगाहें भी नहीं हिट रही हैं. इस आउटफिट में वह अपने टोन्ड और लॉन्ग लेग्स जमकर फ्लॉन्ट भी कर रही हैं. अपने सेंसुअस अंदाज और किलर लुकर से फैंस के होश उड़ा देती हैं. अवनीत कौर की इन तस्वीरों पर रिएक्ट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'आप बेहद ही हॉट लग रही हैं.' तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैं आपका वार्डरोब चुरा लूंगी.' बता दें कि इंस्टाग्राम पर अवनीत कौर की लंबी-चौड़ी फैन फॉलोइंग है. एक्ट्रेस को इंस्टा पर 31.8 मिलियन लोग फॉलो करते हैं.

सोशल मीडिया पर क्यों वायरल हो रही है अक्षय-रवीना की लव स्टोरी?

बॉलीवुड सेलेब्स का एक दूसरे के साथ अफेयर होना आम बात हैं, लेकिन कुछ ऐसे रिश्ते भी रहे हैं, जिसे आज भी लोग भूल नहीं पाए हैं. इसमें एक नाम रवीना टंडन और अक्षय कुमार का भी शामिल हैं. इन दोनों ही स्टार्स का काफी सीरियस रिलेशनशिप रहा है, जो किसी से भी छुपा नहीं हैं. हालांकि सालों बाद फिर से दोनों के अफेयर को लेकर सोशल मीडिया पर गॉसिप होने लगी हैं और इस बार इसमें इनके बच्चों आरव और राशा के नाम भी शामिल हैं.

अक्षय-रवीना की लव स्टोरी का उनके बच्चों के नाम से क्या है कनेक्शन?

एक पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें किसी ने लिखा है, 'किसी ने आरव और राशा के नामों के बारे में कभी बात नहीं कि जो अक्षय कुमार और रवीना टंडन के नामों का मिक्स है?' साथ ही इस पोस्ट में यह भी कहा गया है कि, 'अक्षय और रवीना ने पहले ही तय किया होगा की उनके बच्चों के नाम क्या होंगे? उन्होंने किसी और से शादी होने के बाद भी वाकई ऐसा किया भी है.' यह पोस्ट पर इंटरनेट पर आग की तरह फैल रही है, जिस पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं.

'ट्विंकल और रवीना एक जैसी...'

अक्षय और रवीना के बच्चों के नाम को लेकर किए गए इस पोस्ट पर कई लोग प्रतिक्रिया दे रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'अगर दोनों की शादी हो जाती तो बच्चे बहुत गुड लुकिंग होते, हालांकि राशा कम नहीं हैं.' वहीं इस पोस्ट पर किसी ने जवाब भी दिया है. उसने लिखा, 'ट्विंकल और रवीना भी एक जैसी दिखती हैं, तो ज्यादा फर्क नहीं दिखता है.' एक अन्य ने लिखा है कि, 'रवीना टंडन का नाम भी उनके मां-पिता से लिया गया है. पिता रवि और मां वीना. इस हिसाब से देखा जाए तो रवीना अनिल की पत्नी है तो राशा का नाम रानी होना चाहिए था.' बता दें कि ऐसे ही तमाम कमेंट्स इस पोस्ट पर देखने को मिल रहे हैं.

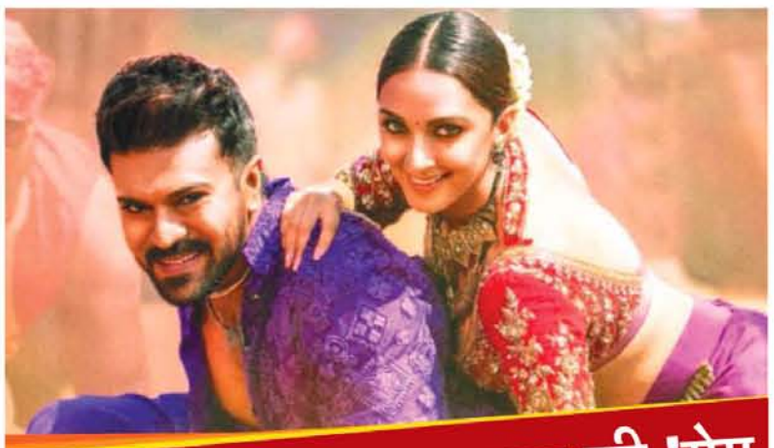

थिएटर्स के बाद राम चरण की 'गेम चेंजर' ओटीटी पर मारने वाली है एंट्री

बजट ज्यादा और कमाई कम, ऐसा कई साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के साथ होता है। मेकर्स कुछ फिल्मों में खूब पैसा बहाते हैं, लेकिन रिलीज के बाद बजट निकालना भी मुश्किल हो जाता है। गेम चेंजर के साथ भी कुछ ऐसा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गेम चेंजर को बनाने में करीब 300 से 400 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। मगर 14 दिन में बजट का आधा भी वसूल नहीं हो पाया है। शंकर के निर्देशन में बनी फिल्म गेम चेंजर एक पॉलिटिकल ड्रामा है, जिससे राम चरण ने तीन साल बाद कमबैक किया है। फिल्म में उनके साथ लीड रोल में कियारा आडवाणी हैं। इस फिल्म को लेकर काफी इंतजार था। थिएटर्स में दर्शकों ने ज्यादा दिलचस्पी भले ही न दिखाई हो लेकन लोग इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखने के लिए बेताब हैं।

ओटीटी पर कब रिलीज होगी गेम चेंजर?

10 जनवरी को रिलीज हुई गेम चेंजर एक महीने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पॉलिटिकल ड्रामा वैलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी को ओटीटी पर स्ट्रीम हो सकती है। फिल्म के राइट्स अमेजन प्राइम वीडियो के पास हैं। ऐसे में यह 14 फरवरी को प्राइम वीडियो पर आ सकती है। हालांकि, अभी तक मेकर्स ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

सुरभि चंदना ने केरल वेकेशन में मचाया धमाल

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस सुरभि चंदना किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं. शादी के बाद से ही इश्कबाज एक्ट्रेस अपनी जिंदगी को खूब एन्जॉय कर रही हैं. सुरभि ने साल 2024 में अपने लॉन्गटर्म बॉयफ्रेंड करण शर्मा से शादी रचाई है. हाल फिलहाल में ही सुरभि चंदना अपने पति करण शर्मा संग केरल में वेकेशन मनाने पहुंची थीं. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरों को शेयर किया है. इन तस्वीरों में सुरभि चंदना की खुशी देखते ही बन रही है. बता दें कि सुरभि की इन तस्वीरों पर फैंस लगातार कमेंट्स की बारिश कर रहे हैं. सामने आई तस्वीरों में सुरभि चंदना हर एक लम्हे को खूबसूरती से जीती हुई नजर आ रही हैं. एक तस्वीर में सुरभि चंदना व्हाइट कलर की स्विमसूट में नजर आ रही हैं. वहीं एक वीडियो में सुरभि की गोद में करण शर्मा आराम फरमाते नजर आ रहे हैं. सुरभि चंदना की इन तस्वीरों को देखने के बाद एक शख्स ने लिखा है, 'सुरभि आपकी ऐसी तस्वीरों का हमें बहुत इंतजार रहता है.'

'एवेंजर्स: एंडगेम' निर्देशक के साथ दोबारा जुड़े रणदीप हुड्डा

अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाले हैं। अभिनेता दोबारा एप्पल ओरिजिनल फिल्म्स की आगामी एक्शन थ्रिलर 'मैचबॉक्स' में निर्देशक सैम हार्ग्रेव के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में जॉन सीना भी हैं। इससे पहले उन्होंने निर्देशक के साथ साल 2020 में नेटफ्लिक्स 'एक्सट्रैक्शन' में काम किया था।

'एवेंजर्स: एंडगेम' के निर्देशक के साथ कर रहे काम

वैराइटी की रिपोर्ट के मुताबिक लाइव-एक्शन फिल्म, जो मैटल की लोकप्रिय मैचबॉक्स टॉय व्हीकल लाइन से प्रेरित है में हॉलीवुड सितारे टेयोना पैरिस, जेसिका बील और सैम रिचर्डसन भी होंगे। मौजूदा समय में फिल्म का प्रोडक्शन बुडापेस्ट में चल रहा है। फिल्म का निर्देशन 'एवेंजर्स: एंडगेम' और 'एक्सट्रैक्शन 2' के निर्देशक हार्ग्रेव कर रहे हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

यह फिल्म मशहूर मैचबॉक्स कार लाइन पर आधारित है, जिसकी शुरुआत 1953 में हुई थी जब जैक ओडेल ने अपनी बेटी के लिए माचिस की डिब्बी में फिट होने लायक एक खिलौना बनाया था। मैटल ने रिपोर्ट की है कि दुनिया भर में हर सेकंड दो मैचबॉक्स कारें बिकती हैं।

कला संवाद द्वारा प्रथम एक दिवसीय कला प्रदर्शनी

ताज महल पैलेस की आर्ट गैलरी में 40 कलाकारों की विविध प्रतिभाओं का अनावरण

कला संवाद ने नए प्रयोग के तहत आयोजित प्रथम एक दिवसीय कला प्रदर्शनी में 40 प्रतिभाशाली कलाकारों की अविश्वसनीय कृतियों को प्रदर्शित की गई, ये कला प्रेमियों और संग्रहकर्ताओं के लिए एक जीवंत और मनोरंजक अनुभव रहा। यह आयोजन कला संवाद द्वारा एवं श्री नंदू सरस्वती द्वारा क्यूरेट किया गया था। यह अनूठा कार्यक्रम ताज आर्ट गैलरी, ताज महल पैलेस, मुंबई में 24 जनवरी 2025 को, समय: सुबह 09.00 बजे से शाम 08.00 बजे तक आयोजित किया गया। महामहिम अलियाक्सांद्र मात्सुको (मुंबई में बेलारूस गणराज्य के महावाणिज्य दूतावास) इसके मुख्य अतिथि थे और पद्मश्री प्रेमजीत बारिया (प्रख्यात कलाकार, दीव (डीएनएच, दमन और दीव)), पूर्व डीन वसंत सोनावणे (जे जे स्कूल ऑफ आर्ट मुंबई), श्री विभु राज कपूर (बियोंड आर्ट गैलरी) अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ सम्मानीय अतिथि थे जिन्होंने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कला संवाद के श्री राजकुमार शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कलाकारों और उनकी कृतियों को बढ़ावा देना है, जिससे उन्हें पहचान और प्रसिद्धि मिल सके। उन्होंने कहा कि आगंतुकों को भी पेंटिंग, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, मिश्रित मीडिया और बहुत कुछ की शानदार श्रृंखला देखने का अवसर मिला, जो हर कला प्रेमी के लिए एक गतिशील अनुभव प्रदान करता है। जे जे स्कूल ऑफ आर्ट्स से ललित कला में मास्टर श्री नंदू सरस्वती, जो विभिन्न कलात्मक शैलियों और माध्यमों को उजागर करने के लिए कला में एक नया युग शुरू करने के लिए तैयार हैं, समकालीन, अमूर्त और शास्त्रीय कला रूपों में कृतियाँ प्रस्तुत करेंगी। इंडियाप्रेस के चेयरमैन श्री जगदीश पी पुरोहित ने मुख्य अतिथि का शॉल पहनाकर स्वागत किया और उनकी पत्नी इरीना मात्सुकोउ को मुंबा देवी माताजी के मंदिर की चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन नए युग की नींव रखेंगे और कलाकारों का मनोबल बढ़ाएंगे। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं भी दीं। आयोजकों को बहुत बहुत शुभकामनाएँ।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
महामहिम राज्यपाल
उत्तर प्रदेश

सभी क्षेत्रवासियों को

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी

की हार्दिक शुभकामनाएं

गोविन्द शर्मा (पिंकी पंडित)

प्रान्तीय सहायक सचिव

अपराध निरोधक समिति (लखनऊ)